तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2021-2023

वर्ष 35 अंक 44 | कोरबा, मंगलवार , दिनांक 14 नवंबर 2023 डाक 15 नवंबर 2023 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा

उत्तर प्रदेश की रायपाल आनंदीबेन पटेल अयोध्या में दीपोत्सव समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ

देश-विदेश

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चुनाव आयोग ने सभी पार्टियों को किया तलब

खुला-पन्ना

इंद्र का अहंकार तोड़ने का माध्यम बनी गोवर्धन पूजा

मप्र में राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा' जहां से गुजरी थी, वहां की सीटों पर कांग्रेस को फायदे की उम्मीद

भोपाल, 14 नवंबर [एजेंसी]।

मध्य प्रदेश में सत्ता में वापसी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही कांग्रेस को राज्य के उन 21 विधानसभा क्षेत्रों में लाभ मिलने की आशा है जहां से पिछले साल उसके नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' गुजरी थी। पार्टी राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आयी थी लेकिन वह बीच में ही अपनी सरकार गंवा बैठी। इस साल मई में कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' की तारीफ की थी।

इस यात्रा के दौरान गांधी कर्नाटक में जिन 20 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरे थे उनमें से 15 में पार्टी चुनाव में विजयी रही। अब कांग्रेस को मध्य प्रदेश में ऐसा ही परिणाम मिलने की उम्मीद है। राज्य में 17 नवंबर को एक ही चरण में सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान होगा।पिछले महीने कांग्रेस ने करगिल में लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के चुनाव में बहुमत हासिल किया था और पार्टी ने कहा था कि यह गांधी की पदयात्रा का सीधा असर है। भारत जोड़ो यात्रा के मध्य प्रदेश चरण में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गांधी ने मालवा-निमाड़ क्षेत्र के छह जिलों- बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, इंदौर, उज्जैनऔर आगर मालवा के 21 विधानसभा क्षेत्रों में 380 किलोमीटर की पदयात्रा की थी।

पार्टी नेताओं में ऐसी भावना थी कि यह यात्रा कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा करेगी और प्रदेश इकाई में नयी ऊर्जा भरेगी जिसके फलस्वरूप पार्टी 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए तैयार होगी।निवर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास मध्य प्रदेश में इस यात्रा मार्ग में पड़ने वाली 21 सीटों में से 14 सीटें हैं जबकि कांग्रेस के पास सात सीट हैं। मालवा-निमाड़ क्षेत्र से आने वाले पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरूण यादव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' से निश्चित ही फर्क पड़ेगा और पार्टी की सीटों की संख्या में वृद्धि होगी।

हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच टकराव, 4 लोगों की मौत

बेरुत, 14 नवंबर [एजेंसी]।

हिजबुल्लाह और इजराइली सेना के बीच टकराव में चार लेबनानी मारे गए। लेबनानी सैन्य सूत्रों ने शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजराइल दक्षिणी लेबनान में 28 शहरों के बाहरी इलाकों पर बमबारी की। उन्हीं सूत्रों ने बताया कि इजराइली ड्रोन और युद्धक विमानों ने सिलसिलेवार हमले किए। इस बीच, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने प्रणित बैरक के पास इजराइली पैदल सेना पर मिसाइलों से हमला किया और एक अन्य पर सीमा के पास अल-धाहिरा साइट पर हमला किया।

हिजबुल्लाह ने रुवैसत अल-आलम और अल-मर्ज में इजराइली ठिकानों को भी निशाना बनाया, इससे इजरायली सेना के हताहत होने की पुष्टि हुई। सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार, 8 अक्टूबर से अब तक हताहतों की कुल संख्या 101 लोगों तक पहुंच गई है, इनमें हिज़्बुल्लाह के 78 सदस्य भी शामिल हैं।

मुठभेड़ में घायल किसान की मौत

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के पहले चरण का मतदान 07 नवम्बर को सम्पन्न हुआ था. मतदान के दिन पुलिस और नक्सलियों के बीच एक मुठभेड़ हुआ था, जिसमें घटना स्थल पर मौजूदल एक किसान को गोली लग गई थी। जिसे इलाज के लिए रायपुर भी लाया गया था। लेकिन आज घायल किसान दोगे राम तिम्माव ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दरअसल, 7 नवंबर को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से कराने बीएसएफ के जवान जंगल में सर्चिंग कर रहे थे। इस बीच उलिया के जंगल में बीएसएफ जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसी बीच जंगल में मवेशी चरा रहे किसान को पेट में गोली लगी और वह घायल हो गया था।

आधुनिक भारत के वास्तुकार, पंडित नेहरू को पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती देशभर में मनाई जा रही है। आज के दिन यानी 14 नवंबर, 1889 को पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म हुआ था। उनके सम्मान में ही नेहरू जयंती पर बाल दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पंडित नेहरू के समाधि स्थल शांति वन पहुंचे और उन्हें पुष्प अर्पित किए। पंडित नेहरू की जयंकी पर कांग्रेस ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स के जरिए एक संदेश साझा किया। पोस्ट में लिखा,पं. नेहरू, हमारे पहले प्रधान मंत्री, एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रतिष्ठित कल्याणकारी राज्य और एक आत्मनिर्भर, औद्योगिक राष्ट्र की स्थापना की, जो कृषि विकास और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति पर आधारित था।

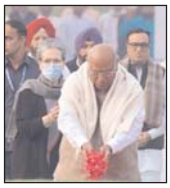

आज, हम आधुनिक भारत के वास्तुकार की समृद्ध, अद्वितीय विरासत को संजोते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, हमारे पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू का जन्म 1889 में प्रयागराज में हुआ था और वह देश के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी चेहरों में से एक थे।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हिए सोशल मीडिया पर लिखा, पंडित जवाहरलाल नेहरू के एक विचार हैं - स्वतंत्रता की, प्रगति की, न्याय की।

भारत माता को आज अपने हिंद के जवाहरात के मूल्य पर अपवित्रता की याद दिलाएं, एक अलग तरह का, हर दिल में।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पंडित नेहरू को याद करते हुए लिखा, नागरिकता, देश की सेवा में है पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत को शून्य से शिखर तक के शासक, आधुनिक भारत के निर्माता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी और हमारे प्रेरणा स्रोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर शपथ। उनके प्रगतिशील विचारों ने भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और हर पाल देश की जनता को बिना किसी भेदभाव के, हमेशा के लिए देश को आगे बढ़ाने, सामूहिक रूप से रहने के लिए अलग करने की पेशकश की।

पूर्वी दिल्ली की इमारत में लगी आग महिला की मौत, 26 लोगों को बचाया गया

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

पूर्वी दिल्ली के शकरपुर की एक इमारत में सोमवार देर रात भीषण आग लगने से 40 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि 26 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग इमारत के पार्किंग क्षेत्र में लगी और इसने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक महिला की मौत हो गई जबकि दिल्ली दमकल सेवा ने 26 लोगों एवं दो पालतू जानवरों को बचा लिया। उन्होंने बताया कि कुछ लोग स्वयं को बचाने के लिए खिड़कियों से कूद गए। उन्होंने बताया कि इन सभी लोगों को अस्पताल ले जाया गया है।

दिल्ली दमकल सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ''हमें देर रात करीब एक बजकर पांच मिनट पर आग लगने की सूचना मिली... हमने दमकल की तीन गाड़ियों को तुरंत काम पर लगाया। बाद में पांच और दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। मामले की सूचना पुलिस को तुरंत दी गई।

ओबेरॉय ग्रुप के चेयरमैन नहीं रहे बदल दी थी होटल इंडस्ट्री की तस्वीर

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

भारत के होटल इंडस्ट्रीज की सूरत बदलने वाले ओबेरॉय ग्रुप के मुखिया पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय का आज यानी मंगलवार सुबह निधन हो गया। वह पीआरएस ओबेरॉय होटल्स के संरक्षक थे, जिन्हें 'Biki' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने 2022 में ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और ईआईएच एसोसिएटेड होटल्स लिमिटेड के चेयरमैन के रूप में अपने पद छोड़ दिए थे। उनकी शिक्षा भारत, यूनाइटेड किंगडम और स्विट्जरलैंड में हुई। ओबेरॉय को महत्वपूर्ण शहरों में कई लक्जरी होटल खोलकर ओबेरॉय होटलों को अंतरराष्ट्रीय लक्जरी यात्रियों के मानचित्र पर लाने का श्रेय दिया जाता है।

देश के प्रति उनकी असाधारण सेवा के लिए 2008 में उन्हें भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। पीआरएस ओबेरॉय ने ओबेरॉय ग्रुप के प्रमुख ईआईएच लिमिटेड के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। ओबेरॉय समूह की वेबसाइट में कहा गया है, विभिन्न देशों में शानदार होटलों के प्रबंधन को चलाने के अलावा, ओबेरॉय ने ओबेरॉय होटल और रिसॉर्ट्स के विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओबेरॉय ब्रांड अब असाधारण लक्जरी होटलों का प्रतीक है।

तमिलनाडु में भारी बारिश कई जिलों में अवकाश घोषित

पुडुचेरी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों और कराईकल में 14 नवंबर को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। तमिलनाडु के तटीय एवं अंदरूनी जिलों में भारी बारिश हुई और कई जिलों के प्राधिकारियों को लगातार हो रही वर्षा के कारण मंगलवार को विद्यालयों में अवकाश घोषित करना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों और कराईकल में 14 नवंबर को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि अगले 24 घंटे में दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण बनने के कारण दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और 16 नवंबर के आस-पास पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक दबाव के रूप में केंद्रित होने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि जिलों में लगातार हो रही बारिश के कारण अधिकारियों को अरियालुर, तंजावुर, विल्लुपुरम, तिरुवन्नामलाई, नागपट्टिनम, तिरुवरूर और कुड्डालोर जिलों में विद्यालयों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर भीषण हादसा चलते ट्रक में घुसी कार, छह दोस्तों की मौत

मुजफ्फरनगर, 14 नवंबर [एजेंसी]।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर छप्पर थाना क्षेत्र में ट्रक में कार की भीषण टक्कर होने के कारण 6 लोगों की मौत हुई। कर में सवार 6 दोस्त दिल्ली से हरिद्वार की तरफ जा रहे थे।मंगलवार को तड़के करीब 04.00 बजे थाना छपार क्षेत्र में शाहपुर कट के पास यह सड़क दुर्घटना हुई। क्षेत्राधिकारी सदर तथा थाना प्रभारी छपार मय पुलिस बल द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचे। सीओ विनय गौतम ने बताया कि सियाज कार अनियंत्रित होकर मुजफ्फरनगर से हरिद्वार की तरफ जा रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी, जिसमें कार सवार सभी छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

मृतकों की शिनाख्त शिवम पुत्र योगेन्द्र त्यागी, पार्श पुत्र दीपक शर्मा, कुनाल पुत्र नवीन शर्मा, धीरज, विशाल व एक अन्य दोस्त समस्त निवासीगण शहादरा, दिल्ली के रूप में हुई। थाना छपार पुलिस द्वारा मृतकों के स्वजन को सूचित करते हुए शवों को पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया गया है।

सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को दी गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं

रायपुर, 14 नवंबर [एजेंसी]।

सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा, उठाकर गोवर्धन पर्वत, ब्रज को लिया बचाए, जिसकी रक्षा करे सांवरा, उसको कौन डुबाए। प्रकृति की उपासना एवं गौरक्षा के प्रतीक पर्व गोवर्धन पूजा की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान श्री कृष्ण की कृपा आप सभी पर बनी रहे, सभी के जीवन में अपार सुख-समृद्धि का संचार हो, यही कामना करता हूँ।

भारतीय सीमा में घुसे म्यामांर के 2000 नागरिक सेना और मिलिशिया पीडीएफ ग्रुप में छिड़ी जंग

आइजोल। म्यांमार के चिन राज्य में एयरस्ट्राइक और जबरदस्त गोलीबारी की वजह से पड़ोसी मुल्क से लगभग 2000 से अधिक लोग मिजोरम में दाखिल हो गए। ये सभी लोग पिछले 24 घंटों में सीमा पार करते हुए मिजोरम में दाखिल हुए।

चम्फाई जिले के डिप्टी कमिश्नर जेम्स लालरिंचन ने एएनआई को बताया कि ये सभी लोग ताजा हवाई हमलों के बीच म्यांमार से 2000 से अधिक लो मिजोरम के चम्फाई जिले में प्रवेश कर गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, जेम्स लालरिंचन ने आगे जानकारी दी कि म्यांमार की सत्तारूढ़ जुंटा समर्थित सेना और मिलिशिया समूह पीपुल्स डिफेंस फोर्स के बीच भीषण गोलीबारी हुई।

उन्होंने कहा कि लड़ाई तब हुई जब पीडीएफ ने म्यांमार के चिन राज्य में खावमावी और रिहखावदार में दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया। जेम्स लालरिंचना ने आगे बताया कि म्यांमार के रिहखावदार सैन्य अड्डे को सोमवार तड़के पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने अपने कब्जे में ले लिया और खावमावी सैन्य अड्डे पर भी दोपहर तक नियंत्रण हासिल कर लिया।

बिहार में बालू माफिया का आतंक, जमुई में बाइक सवार दारोगा व होमगार्ड जवान को रौंदा, एसआई की मौत

जमुई, 14 नवंबर [एजेंसी]।

जिले में बालू माफिया का मनोबल बढ़ा हुआ है। आए दिन अवैध खनन के मामले सामने आते रहते हैं। पुलिस की तमाम सख्तियों के बावजूद बालू माफिया अवैध खनन को अंजाम देने में कामयाब हैं। मंगलवार की सुबह गरही थाना क्षेत्र के रोपावेल में बालू के अवैध खनन व परिवहन की सूचना पर कार्रवाई करने गई पुलिस वाहन को बाले लदे ट्रैक्टर ने रौंद दिया। इस घटना में एसआई प्रभात रंजन की मौत हो गई। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल है। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बालू का अवैध खनन कर ट्रैक्टर से परिवहन किया जा रहा है। जिसके बाद एसआई प्रभात रंजन के नेतृत्व में पुलिस की टीम कार्रवाई के लिए रवाना हुई।

रोपावेल ग्रामीण सड़क पर बालू लदे ट्रैक्टर को देख पुलिस ने रूकने का इशारा किया तो चालक पुलिस वाहन को रौंदते हुए मौके से भाग निकला। इस घटना में एसआई प्रभात रंजन और एक जवान जख्मी हो गए। जख्मी हालत में दोनों को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।जहां रास्ते में ही एसआई प्रभात रंजन ने दम तोड़ दिया। बलिदानी एसआई प्रभात रंजन 2018 बैच के पुलिस अधिकारी थे और वैशाली के रहने वाले थे।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथैरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथैरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

अमित शाह ने मुफ्त में रामलला के दर्शन कराने का किया वादा, भड़के संजय राउत, ईसी से लगाई ये गुहार

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को चुनाव आयोग से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया, जिसे उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का उपयोग करने का प्रयास बताया। राउत की टिप्पणी मध्य प्रदेश के गुना जिले में चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह द्वारा दिए गए बयानों के जवाब में आई है, जहां उन्होंने वादा किया था कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता बरकरार रखती है तो वह अयोध्या में भगवान राम के दर्शन का खर्च वहन करेगी। शाह ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मंदिर के निर्माण में कथित रूप से बाधा डालने के लिए कांग्रेस पार्टी की भी आलोचना की। शाह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राउत ने इस बात पर जोर दिया कि भगवान राम किसी विशिष्ट क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए पूजनीय हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसका तात्पर्य यह है कि यदि भाजपा मध्य प्रदेश में हार जाती है, तो पार्टी राज्य के निवासियों को दर्शन करने से रोक देगी या उन पर आरोप लगा देगी क्योंकि उन्होंने भाजपा को वोट नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भगवान राम लला पूरे देश और दुनिया के हैं... क्या इसका मतलब यह है कि यदि आप मध्य प्रदेश में हार जाते हैं, तो आप मध्य प्रदेश के लोगों को दर्शन करने से रोक देंगे क्योंकि उन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया है या उनसे शुल्क लेंगे। संजय राउतने कहा, हमारे देश में किस तरह की राजनीति चल रही है।

सुरक्षा बल की टीम के साथ मतदान दल 16 को होगें रवाना

कोरबा। आप सभी ने बस्तर में विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया है। कोरबा की स्थिति बस्तर से विपरीत है। यहां के लोग बेहद ही भोले भाले व शांतिप्रिय हैं। यहां की फिजा बस्तर से बेहतर है, जिसका आप सभी को एक अलग ही अहसास होगा। हमे एक दूसरे से सामंजस्य के साथ विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

उक्त बातें जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने राजीव गांधी ऑडीटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में बीएसएफ और यूपी एसएफ के अधीकारियों को संबोधित करते हुए कही। दरअसल प्रदेश में विधानसभा के लिए दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को कराया जाना है। जिसमें जिले के कोरबा, रामपुर, कटघोरा व पाली-तानाखार क्षेत्र शामिल हैं। इन चारों विधानसभा में मतदान के लिए 1080 बूथ बनाए गए हैं, जहां 9 लाख 18 हजार 358 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। लोकतंत्र के महापर्व में मतदाता बिना डर व भय के हिस्सा ले सकें। विधानसभा चुनाव को पारदर्शिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके।

इसके लिए जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने सशस्त्र जवानों के 40 कंपनी की मांग की थी। मुख्यालय से 32 कंपनी आबंटित की हैं। इनमें बीएसएफ के 16 और उत्तर प्रदेश सशस्त्र बल की 16 कंपनी कुल 32 सौ अधिकारी व जवान शामिल हैं, जो कोरबा पहुंच चुके हैं। उन्हें अलग-अलग स्थानों में ठहराया गया है। इन अधिकारी व जवानो की तैनाती चारों विधानसभा के मतदान केंद्रों में की जाएगी। इस दौरान जानकारी के अभाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में बीएसएफ व यूपी एसएफ के अधिकारी शामिल थे। जिन्हें जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने जिले के चारों विधानसभा की भौगोलिक स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के अधिकांश क्षेत्र ग्रामीण व वनांचल हैं, जहां के रहवासी शांतिप्रिय हैं। 16 नंवबर को मतदान दल के साथ सुरक्षा बल की टीम रवाना होगी। वे मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद टीम के साथ स्ट्रांग रूम पहुंचेगे, जहां इवीएम को जमा कराया जाएगा। इस बीच चार-पांच दिन पुलिस के साथ अलग-अलग क्षेत्र में फ्लैग मार्च करेंगे, ताकि मतदाताओं को सुरक्षित होने का अहसास कराया जा सके।

इस प्रशिक्षण सत्र में प्रमुख रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक द्वय भूषण एक्का, रॉबिंसन गुडिया, रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा, नगर कोतवाल रूपक शर्मा, सिविल लाइन थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय, मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेमचंद साहू, सीएसईबी प्रभारी नवीन पटेल सहित अन्य अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

मधुमेह रोगियों की रक्त शर्करा की नि:शुल्क जांच आज

कोरबा। कोरबा अंचल में 14 नवंबर विश्व मधुमेह दिवस पर लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट, विश्व हिंदू परिषद एवं आयुष मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क मधुमेह जांच, चिकित्सा, परामर्श एवं उपचार शिविर 14 नवंबर दिन मंगलवार को पतंजलि चिकित्सालय निहारिका क्षेत्र में प्रातः 10 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक आयोजित किया गया है।

शिविर के विषय मे विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष, लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के सचिव डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा ने कहा कि इस शिविर में आये मधुमेह रोगियों की रक्त शर्करा की जांच निःशुल्क करने के साथ मधुमेह की परीक्षित औषधि भी निःशुल्क प्रदान की जाएगी। साथ ही मधुमेह रोगियों लिए उपयोगी लाभकारी योगाभ्यास तथा प्राणायाम का व्यक्तिगत रूप से अभ्यास कराकर विशेष प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके साथ ही मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार के विषय मे व्यक्तिगत रूप से विस्तार से परामर्श देने के साथ-साथ मधुमेह रोगियों के लिए उपयोगी लाभकारी मधुमेह रोग विशेषांक स्वास्थ्य पत्रिका भी निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष नितीश डालमिया एवं लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट अध्यक्ष लायन शिव जायसवाल ने अंचल वासियों से इस निःशुल्क मधुमेह जांच, चिकित्सा, परामर्श एवं उपचार शिविर का लाभ उठाने अपील की हैं।

आग की चपेट में आने महिला झुलसी

कोरबा। कोरबा में दिवाली की रात आग की चपेट में आने से एक 50 वर्षीय महिला गंभीर रुप से झुलस गई। जानकारी के मुताबिक पूजा करते समय महिला के कपड़ों में दीये से आग लग गई। देखते ही देखते महिला आग की चपेट में आ गई। हादसे में वह करीब 75 प्रतिशत जल गई है। महिला को इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

दरअसल, दिवाली की रात मुड़ापार क्षेत्र में रहने वाली एक 50 वर्षीय महिला लक्ष्मी बाई दिवाली की पूजा कर रही है। इसी दौरान लक्ष्मीबाई के कपड़े में आग लग गई और वो आग की लपटों से घिर गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

गृहलक्ष्मी योजना की मनाई खुशी

कोरबा । दिपावली के शुभ अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा कांग्रेस की एक और गारंटी घोषणा की गयी। महिलाओं के लिए गृहलक्ष्मी योजना के तहत लगभग एक करोड़ से अधिक प्रदेश की महिलाओं को कांग्रेस की राज्य में सरकार बनने पर 15000 रूपये वार्षिक प्रदान किया जाएगा। यह राशि सीधा महिलाओं के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। उपरोक्त घोषणा पर जिला महिला कांग्रेस ने खुशी जाहिर करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई।

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सपना चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया हैं। पूर्व में भी प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री उषा तिवारी, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, रूपा मिश्रा, गीता गबेल, प्रेमलता मिश्रा, सुनिता तिग्गा, दोपदी तिवारी, कांती सोनी, मीरा अग्रवाल, शशि अग्रवाल, नफीसा हुसैन, सुनीता केसरवानी, ताकेश्वरी मिश्रा, अघन बाई, सजिदा बेगम, बाबी चैहान, गौरी चौहान सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रही।

हो रही झंडे की चोरी

कोरबा । कोरबा अंचल में आम आदमी पार्टी के सचिव शत्रुघन साहू ने कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला से आम आदमी पार्टी का झंडा चोरी हो जाने की लिखित शिकायत की है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायत पत्र में बताया गया है कि आम आदमी पार्टी के प्रचार-प्रसार के लिए पुरे कोरबा विधानसभा क्षेत्र में झंडा लगाया गया है। जिसमें सिविल लाईन थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरीपारा, मानिकपुर चौकी अंतर्गत मानिकपुर, ग्राम रापाखरां में बड़ी संख्या में पार्टी का झंडा लगा था जिसे अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चोरी कर लिया गया है। झंडा चोरी करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध ठोस कार्यवाही की मांग की गई है।

होटल मीरा इन में लगी आग,हजारों का सामान खाक

कोरबा । कोरबा अंचल के कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत डीडीएम रोड में मीरा इन नामक रिसार्ट संचालित है। डीडीएम रोड में स्थित इस मीरा इन रिसार्ट में सोमवार की रात अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि रिसार्ट में संचालित रेस्टोरेंट और आउटडोर कैम्पस को बांस के कारिगरी से डिजाइन कराया गया था। जिसके कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक दमकल की टीम घटना स्थल पर पहुंची, तब तक मीरा इन रिसार्ट का अधिकांश सामान जलकर खाक हो चुका था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। उक्त घटना से मीरा इन रिसार्ट के संचालक को काफी नुकसान हो जाने का अंदेशा जताया जा रहा हैं।

फिलहाल घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि आग पटाखे की वजह से लगी है

केन्द्रीय गृह मंत्री की सभा कल

कोरबा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार अमित शाह 14 15 को रायपुर बेमेतरा जांजगीर चंपा एवं कोरबा, बिलासपुर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। विधानसभा चुनाव के दोनों पार्टी के कर्तावर नेताओं का छत्तीसगढ़ आना-जाना लगा हुआ है, इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह भी विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर भाजपा के पक्ष में वोट अपील करेंगे। इसके लिए तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

कांग्रेसी कार्यकर्ता से हुई मारपीट की हो निष्पक्ष हो जांच:लखन

कोरबा। भैरतीय जनता पार्टी के कोरबा विधानसभा से प्रत्याशी लखन लाल देवांगन ने सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के संजय नगर में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता से हुई मारपीट की घटना को निंदनीय करार देते हुए कहा हैं कि पुलिस इस पूरे मामले में जल्द से जल्द सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर इसकी गहन जांच करें। श्री देवांगन ने कहा हैं कि उन पर और उनके भाई नरेंद्र देवांगन पर जिस तरह का आरोप इस घटना के लिए लगाया जा रहा है वह पूरी तरह से अनर्गल और मिथ्या तथा छवि खराब करने का प्रयास है। कोरबा शांतिप्रिय क्षेत्र है और लोकतंत्र के इस महायज्ञ में निष्पक्ष और शांतिपूर्वक मतदान के वे पक्षधर हैं तथा पुलिस और प्रशासन को भी इसके लिए सतर्क रहकर काम करने की आवश्यकता है। कुछ लोग चुनाव को प्रभावित करने के लिए इस तरह के अनर्गल आरोप लगा रहे हैं, उन पर लगाए जा रहे तथ्यहीन आरोपों की जांच होनी चाहिए कि आखिर यह साजिश किसके द्वारा रची गई है। श्री देवांगन कोरबा विधानसभा क्षेत्र वासियों से यह भी अपील किया है कि वह किसी तरह के अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप और बहकावे तथा दुष्प्रचार में ना आएं तथा निष्पक्ष होकर अपने मत का उपयोग करें। लखन ने कहा की कोरबा का यह चुनाव बाहुबल, धनबल और जनबल के बीच है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता शांति पूर्वक प्रचार में जुटे हुए है

योग प्रशिक्षक ने लिया अंगदान का संकल्प

कोरबा । शहर के योग प्रशिक्षक दुर्गेश राठौर ने अपना जन्मदिन अनोखे अंदाज में सेलिब्रेट किया समाज को सोचने और समझने की एक नई दिशा देने वाले दुर्गेश ने अपने जन्मदिन के मौके पर स्वयं व दुर्गेश की माताजी श्रीमती रुखमणि देवी राठौर ने भी अंगदान का संकल्प लिया। मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने उन्हें इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया जन्मदिन के मौके पर इन्होंने प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष रक्तदान भी किया। दुर्गेश ने बताया कि कोरोना के दौरान हम सभी ने लोगों को जिंदगी और मौत के बीच झूलते हुए देखा है। इसलिए यदि हम अंगदान कर कई जिंदगियों को बचा सकते हैं। हर व्यक्ति जो स्वस्थ है उसे इस कार्य के लिए आगे आना चाहिए। हमारे बदलने से ही समाज बदलेगा। लोगों में देहदान और अंगदान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां है जिन्हें हम जैसे युवा ही दूर कर सकते हैं। यदि युवा इस दिशा में लोगों की सेवा के लिए आगे आएंगे तो निश्चित ही लोगों को प्रेरणा मिलेगी और वे भी इस कार्य में अपना योगदान देंगे।

प्रताप फाउंडेशन ने वृद्धजनों के साथ मनाई दीपावली

कोरबा। दीपावली का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश के विजय के पर्व दीपावली मनाई गई एक तरफ जहां लोगों ने दीप जलाकर कर, आतिशबाजी कर, मिठाई खिलाकर अपनों के साथ दीपावली मनाई वहीं श्री प्रताप फाउंडेशन ने पहाड़ मंदिर वृद्धाश्रम के 46 बुजुर्गों का गम बांटकर उनके चेहरे पर खुशी बिखेरी फाउंडेशन के सदस्यों ने वृद्धजनों को मिठाई एवं फल वितरण कर उनके साथ दीपावली मनाई। इस मौके पर संस्था के सागर सिंह, निनेश राजपूत,गगन राजपूत, योगेन्द्र ठाकुर, भोला सिंह, प्रियांशु सिंह, दीपक राजपूत,अभिनव सिंह उपस्थित रहे।

प्रेक्षकों ने किया थाना व चौकियों का आकस्मिक निरीक्षण

कोरबा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कोरबा जिले में निर्वाचन 2023 के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक और पुलिस प्रेक्षक ने आज शहर के थाने और चौकियों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

कोरबा और रामपुर विधानसभा के प्रेक्षक श्री प्रियतु मंडल तथा पुलिस प्रेक्षक श्री सी वेंकटा सुब्बा रेड्डी ने थाना दर्री, थाना कोतवाली,चौकी मानिकपुर , थाना सिविल लाइन और चुनाव संपन्न कराने आई विभिन्न बटालियन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मतदानकेन्द्रों सहित अन्य स्थानों में सुरक्षा सहित अन्य बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश दिए।

विज्ञापन आदि की अनुमति के लिए एमसीएमसी के कक्ष क्र-20 में किया जा सकता है संपर्क

कोरबा। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत मीडिया अनुप्रमाणन एवं मीडिया अनुवीक्षण समिति गठित की गई है। निर्वाचन संबंधी विज्ञापन, पाम्प्लेट की अनुमति के संबंध में आवश्यक जानकारी के लिए वाणिज्य कर कार्यालय (जीएसटी भवन) कक्ष क्र-20 में अंजित तिर्की मोबाइल नंबर 9993323942, सुरेश कंवर मोबाइल नंबर 9131558605 में संपर्क किया जा सकता है।

इसी तरह जिले के मीडिया प्रतिनिधि निर्वाचन संबंधी जानकारी के लिए मीडिया सेंटर में सुश्री उष्मा घोष मोबाइल नंबर 9810493820 तथा मनोज कुमार रजक 9329942755 के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

चलती बाइक अनियंत्रित होने से युवक गिरा सड़क पर-गंभीर घायल

कोरबा। कोरबा जिले में बालको क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर हुई एक सड़क दुर्घटना के दौरान बाइक सवार एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

घायल व्यक्ति का नाम शाहबुद्दीन खान बताया जा रहा हैं जो तुलसी नगर क्षेत्र में निवासरत हैं। बताया जा रहा है, कि शाहबुद्दीन खान अपनी दुपहिया वाहन से किसी नीज कार्य हेतु बालको की तरफ जा रहा था इसी दौरान उसकी बाइक की चैन टूट गई जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा। सड़क पर पड़े शाहबुद्दीन को देख लोगों ने उसे अस्पताल भिजवाया जहां उसका उपचार जारी है।

मतदान से एक दिन पहले और मतदान दिवस के विज्ञापन का प्रमाणन जरूरी

कोरबा । कोरबा जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के संबंध में चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के तहत मतदान दिवस एवं मतदान से एक दिन पूर्व मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों के विज्ञापनों का प्रमाणन मीडिया प्रमाणन एवं मीडिया निगरानी (एमसीएमसी)से अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिये है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मीडिया प्रमाणन का मूल आधार आदर्श आचार संहिता के पालन से जुड़ा है। ऐसा कोई विज्ञापन नहीं दिया जाएगा जो सामाजिक समरसता को बिगाड़ने अथवा तनाव को बढ़ाने, शांति भंग करने, संविधान और कानून के विपरीत, नैतिकता, सदाचार के विपरीत हो और किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाला नहीं हो। कलेक्टर सौरभ कुमार ने बताया कि मीडिया प्रमाणन राजनैतिक विज्ञापन के लिए आवश्यक है, इनमें टीवी चैनल, केबल टीवी चैनल, रेडियो (निजी एफएम सहित), सिनेमा घर, ई-समाचार पत्र, बल्क एवं वाईस एसएमएस एवं सार्वजनिक स्थलों पर दृश्य-श्रव्य माध्यम आदि शामिल है।

कोरबा जिले में 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे, इसे देखते हुए 16 व 17 नवंबर को प्रिंट मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाले ऐसे तमाम राजनीतिक विज्ञापनों को जिला व राज्य स्तर पर गठित प्रमाणन व मीडिया निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्व-प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य है, निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, राजनीतिक लाभ लेने व मतयाचना के लिए राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों द्वारा समाचार-पत्रों में विज्ञापन किया जाता है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य स्तर पर एक राज्य स्तरीय एमसीएमसी कमेटी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित की गई है, राज्य स्तरीय कमेटी में राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक ई-विज्ञापनों का प्रमाणीकरण कराया जा सकता है, इसके साथ ही हर जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर एमसीएमसी कमेटी गठित है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पेड न्यूज के बारे में बताया कि पेड न्यूज (क्रीत समाचार) से तात्पर्य समाचार पत्रों में प्रकाशित उन समाचारों में हो जो वास्तव किसी दल अथवा प्रत्याशी द्वारा अपने लाभ के लिए प्रायोजित किए जाते है। किसी प्रिंट अथवा इलेक्ट्रानिक मीडिया में आने वाले ऐसा कोई समाचार जिसके लिए कोई भुगतान नगद अथवा अन्य माध्यम से किया गया हो, वह क्रीत समाचार (पेड न्यूज) है। इसके लिए जिला स्तर पर मीडिया निगरानी समिति टीम का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि किसी प्रत्याशी के प्रचार एवं आमसभा के समय से क्रीत समाचार के लिए निगरानी रखी जाएगी।

सार्वजनिक जगह पर शराब पीते पाए गए तो देने होंगे 2 हजार रु.

कोरबा। शराब एक सामाजिक बुराई है शराब के नशे के गिरफ्त में आकर कई परिवार बर्बाद हो गए है इसके कई उदाहरण आपको मिल जाएंगे शराब की वजह से ही घर पर लड़ाई झगड़े की स्थिति में निर्मित होती है इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित महिलाएं होती है

सर्वमंगला ग्राम समिति के द्वारा वार्ड क्रमांक 54 सर्वमंगला नगर में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है,

जिसको लेकर पिछले कुछ दिनों से समिति के सदस्य सक्रिय है, दरअसल वार्ड के सार्वजनिक स्थलों पर रुप बनाकर मदिरा सेवन किया जाता है, जो कि गलत बात है, समिति ने इसे गंभीर समस्या माना है. इस समस्या को लेकर समिति द्वारा बैठक आयोजित की गई. जिसमे सर्व समिति से यह निर्णय लिया गया है, कि सार्वजनिक जैसे स्कूल के निकट,

मंदिर के आसपास, अस्पताल तालाब के पास या खुले स्थान पर स्थान पर अगर कोई शराब पीता हुआ पकड़ा गया तो उस पर ?2000 का अर्थ दंड लगाया जाएगा, साथ ही उसके विरुद्ध पुलिस में भी शिकायत की जाएगी. इसके लिए निगरानी समिति भी तैयार की गई है जो ऐसे स्थान पर नजर बनाकर रखेंगे जहां पर खुले में शराब पी जाती है.

वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर भी किया जा सकेगा मतदान

कोरबा। कोरबा जिला कलेक्टर सौरभ कुमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग की ओर से सभी मतदाताओं को निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं। आयोग सभी मतदाताओं से अपेक्षा करता है कि वे मतदान स्थल पर अपना मत देने से पहले अपनी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आयोग की ओर से जारी निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखाएंगे। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है तो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी अनुमत किए गए हैं। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, वे अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए

कुसमुंडा के भू विस्थापित रोजगार एकता संघ के द्वारा दीपावली के पावन पर्व पर भू विस्थापित पंडाल मे दीप उत्सव मनाया गया और भू विस्थापितों की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया

आत्मानंद के नाम से स्कूल खुलने के बाद भी रत्तीभर नहीं बदली गुणवत्ता, भारी नाराजगी

खोखरा। ग्राम खोखरा के ग्रामीणों ने सरकार की योजनाओं के खिलाफ बेबाकी से बोलना शुरू कर दी। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार ने सड़क बिजली पानी शिक्षा की माकूल व्यवस्था की लेकिन शिक्षा व्यवस्था का बुरा हाल है। एक ओर धड़ाधड़ आत्मानंद स्कूल खोले जा रहे हैं, लेकिन इन स्कूलों में शिक्षा का स्तर बढ़ने के बजाए उल्टे गिरते जा रहा है। जो बच्चा निजी स्कूल में धड़ाधड़ अंग्रेजी बोलता था अब वह आत्मानंद स्कूल में जाकर उल्टा गदहा हो गया। आज उसे ढंग से गिनती भी नहीं आती। ग्रामीणों ने बेबाकी से कही। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण किया जा रहा है लेकिन एक साल के भीतर ही उखड़ जा रही। जिससे ग्रामीणों को आवागमन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जल जीवन मिशन का हाल बुरा

मुसुंद के सूरज कश्यप ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत घर घर पानी पहुंचाने की योजना केवल अधिकारियों व ठेकेदारों के जेब भरने की काम आ रही है। आज 25 फीसदी ग्रामीणों के घर भी पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में सरकार की योजनाओं में अधिकारी कर्मचारी के अलावा ठेकेदार पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। ग्राम मुसुंद के लोगों ने कहा कि सबसे खराब स्थिति जल जीवन मिशन की है।

हर दफ्तरों में केवल कमीशन की मांग

ग्रामीण खोखरा के राकेश थवाईत ने बताया कि उसने श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जब श्रम आफिस गया तब वहां के कर्मचारियों ने कहा कि हम योजना का लाभ जरूर देंगे लेकिन इसके एवज में आपको 50 फीसदी कमीशन देने पड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कागजात भी आपको ही अपडेट करना होगा। जब फार्म ओके होगा तभी आपको योजना योजना का लाभ मिलेगा।

सामुदायिक भवन व चबूतरे का हो निर्माण

धनेली के नारायण प्रसाद पुरवाई ने कहा कि शहर में कई तरह के मैरिज हॉल जैसी सुविधाएं आसानी से मिल जाती है, लेकिन ग्रामीण अंचलों में ऐसे भवनों की दरकार रहती है। सरकार के जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि गांवों में भी सामुदायिक भवन, छतदार चबूतरा, सर्वसुविधायुक्त स्कूल बिल्डिंगों की सुविधा मिले। स्कूल बिल्डिंगों का बुरा हाल रहता है। टपकते छत के नीचे स्कूली बच्चे अपना भविष्य गढ़ने मजबूर होते हैं।

किसानों को धान के पैसे एकमुश्त मिलें

ग्राम धनेली के फोटू राम ने बताया कि कृषि कार्य उनका पुस्तैनी कारोबार है। सरकार धान का बोनस जरूर देती है लेकिन कई किस्तों में मिलती है। सरकार को चाहिए कि धान का बोनस एक किस्त में मिले। उन्होंने कहा कि हम उसे ही वोट देंगे जो धान का बोनस एकमुश्त दे। किस्तों में पैसे मिलने से उन्हें बोनस की तरह नहीं लगता। क्योंकि चिल्हर में मिले पैसे खर्च हो जाते हैं। एकमुश्त पैसे मिलने पर बड़ा काम हो जाता है।

आवागमन के लिए मुश्किल राहें आसान हों

ग्राम धनेली के शत्रुहन धीवर ने बताया कि गांव गांव में नहर का जाल बिछा है। एक गांव से दूसरे गांव को जोड़ने नहर पार की सड़क एक बेहतर साधन होता है। इन नहर पार में भी सीसी रोड का निर्माण किया जाए। आने वाले चुनाव में जनप्रतिनिधियों से यही मांग कर रहे हैं। नेताओं ने ग्रामीणों की मांगों को जायज ठहराते हुए उनकी मांगों को अमल करने की बात कही है।

जनता की यह है उम्मीद

जिला मुलतः कृषि प्रधान जिला है। यहां के 90 फीसदी किसान धान की खेती पर आश्रित हैं। समय पर नहर में पानी सुगमता से मिले। इसी उम्मीद के साथ प्रत्याशियों के सामने अपनी बातें रख रहे हैं। वहीं प्रत्याशी भी जनता के सामने अपनी घोषणा पत्र दिखाकर वोट मांग रहे हैं। इस बीच जनता भी

रात्रि में ट्रेक्टर का बैटरी चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चांपा-जांजगीर। प्रार्थी संजय कुमार सहिस उम्र 26 साल निवासी पुराना कालेज रोड चांपा सहायक ग्रेड 03 नगर पालिका परिषद चांपा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09- 10.11.2023 के रात्रि पालिका परिषद चांपा के कम्पाउन्ड (बाई) में रखे ट्रैक्टर के बैटरी को कोई अज्ञात चोर, चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर थाना चाम्पा मे अपराध क्रमाक 543/ 2023 धारा 380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल माल मुल्जिम पता तलाश हेतु मुखबीर लगाया गया। सूचना मिला की आरोपी विशाल बरेठ द्वारा चोरी का 02 नग बैटरी रखा है, की सूचना पर रेड कार्यवाही किया जाकर, हिरासत में लेकर ट्रेक्टर बैटरी चोरी की घटना के संबंध में बारीकी से पुछताछ किया गया जो बैटरी को चोरी करना स्वीकार किए जाने से मेमोरेंडम कथन लिया गया जिसके कब्जे से चोरी के दो नग ट्रेक्टर का बैटरी सफेद कलर का बरामद किया गया है।

आरोपी विशाल बरेठ निवासी शंकरनगर चापा के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 12.11.2023 को न्यायिक रिमांड में भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, सउनि राम प्रसाद बघेल, आरक्षक सुनील सूर्यवंशी, भूपेन्द्र गोस्वामी का सराहनीय योगदान रहा।

निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारी-कर्मचारी डाक मतपत्र से आज कर सकते है मतदान

जांजगीर-चांपा। विधानसभा निर्वाचन 2023 में जिन अधिकारी कर्मचारी की ड्यूटी लगी है, उनके लिए 8 से 10 नवम्बर तक जिला पंचायत के पास ऑडिटोरियम हाल एवं मतदान दल प्रशिक्षण स्थल पर डाकमत पत्र के माध्यम से मतदान हेतु सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया था। जिसमें जिले के मतदान कर्मियों ने मतदान किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में शत प्रतिशत मतदान के लिए निर्वाचन ड्यूटी में लगे जिले के और जिले से बाहर के कर्मचारी जो जांजगीर-चांपा जिले के विधानसभाओं के मतदाता है उनके लिए 14 नवम्बर को जिला पंचायत के पास ऑडिटोरियम हाल में डाक मत पत्र से मतदान के लिए सुविधा केंद्र की स्थापना सुबह 9 से शाम 5 बजे तक की जा रही है। सुविधा केंद्र में विधानसभा अकलतरा, जांजगीर-चांपा और पामगढ़ के मतदाता जिनकी ड्यूटी उनके निर्वाचन क्षेत्र से बाहर लगी है डाक मत पत्र से अपना मतदान कर सकते हैं। जिन्होंने पहले फार्म 12 नही भरा है वो तत्काल भर कर भी मतदान कर सकते है।

सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के मद्देनजर सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं तैयारियों के संबंध में आज पुलिस लाईन प्रशिक्षण सभाकक्ष खोखरा, जांजगीर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामान्य प्रेक्षक विधानसभा जांजगीर-चांपा एवं अकलतरा सुश्री प्रीति, सामान्य प्रेक्षक विधानसभा पामगढ़ एच कुलकर्णी, व्यय प्रेक्षक विमल चन्द्र दास, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित केन्द्रीय बल के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में विधानसभा निर्वाचन को लेकर जिले के मतदान केंद्रों की स्थिति, संवेदनशील, अति-संवेदनशील मतदान केन्द्रों की सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने सहित अर्धसैनिक बलों के ठहरने, स्ट्रांग रूम, चेक पोस्ट में जांच एवं निगरानी, कानून व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा किया गया। चेक पोस्ट में गुजरने वाले सभी वाहनों के सघन जांच करने, अवैध शराब, नगदी एवं अन्य सामग्रियों के अवैध परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में चुनाव कार्य में लगे सभी निगरानी, सुरक्षा दलों को पूरी तत्परता मुस्तैदी एवं सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में केन्द्रीय सुरक्षा बल, पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सामग्री मूवमेंट और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जांजगीर-चांपा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक डॉ किरण एच कुलकर्णी, सुश्री प्रीति, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं पुलिस अधीक्षकविजय अग्रवाल ने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में स्थित तीनों विधानसभा के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रेक्षकों ने मतदान सामग्री वितरण, मतदान सामग्री वापसी की मूवमेंट, मतगणना स्थल तक पहुंच मार्ग, बिजली, सुरक्षा संबंधी, विधानसभावार आगमन, निकासी तथा पार्किंग व्यवस्था का अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती लवीना पांडेय, अपर कलेक्टर गुड्डू लाल जगत, सर्व रिटर्निंग ऑफिसर, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

विनोद नेमी दिवंगत

जांजगीर। जांजगीर शहर के प्रतिष्ठित नागरिक गजानंद नेमी के पुत्र एवं शिक्षक रोशन नेमी के भाई विनोद नेमी का कल हृदय गति रुकने से निधन हो गया । वे 53 साल के थे। विनोद नेमी पांच भाइयों में तीसरे नंबर के भाई थे। उनके एक पुत्र एवं एक पुत्री है । विनोद का कल शाम हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा स्थानीय रानी पार मुक्तिधाम के लिए निकाली गई ।जहां उनके सुपुत्र प्रत्यूष देव नेमी द्वारा मुखाग्नि दी गई। इस अवसर पर स्व जातीय बंधुओं के अलावा बड़ी संख्या में विभिन्न समाज समाज के लोग उपस्थि थे।स्वर्गीय विनोद नेमी कांग्रेसी की राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं जिन्होंने पार्षद बन कर लोगों की सेवा की है । उनके निधन से शहर में शोक कि लहर व्याप्त है।

दीपावली में पटाखों से झुलसे 60 से अधिक लोग

बिलासपुर। कहीं अनार फटा तो कहीं नकली बम की चपेट में लोग आए हैं। 20 से अधिक लोग जिला अस्पताल और 40 से ज्यादा सिम्स पहुंचे। जहां उनका इलाज किया गया। कई लोगों ने अपना इलाज निजी अस्पतालों में भी कराया है। पटाखे फोड़ने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी को दरकिनार करने की वजह से इस तरह के हादसे हुए हैं। राहत की बात यह है कि कोई भी गम्भीर मामले सामने नहीं आया है, आहतों को दवा देकर घर भेजा गया है।

पटाखे फोड़ने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी को लेकर दिशा निर्देश दिए गए थे लेकिन किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया, नतीजा काफी संख्या में लोग पटाखों से झुलस गए। इसी कारण से 48 घण्टे के भीतर 60 से ज्यादा मरीज अस्पताल पहुचे है। पटाखे से जलने के मामले दीवाली के देर रात से सामने आने लगे थे।

सिम्स पहुचने वाले घायलों में मुख्य रूप से सुनील वर्मा, अमित पाटिल, रामचन्द्र साहू, राम बैगा, भुवनलाल सोनी, हरदेव सिंह, नरेश शर्मा, मोनू कुमार, रानी गुप्ता, शिल्पा सेलर आदि है, जो पटाखे से कुछ ज्यादा ही झुलसे है। समय पर अस्पताल पहुचने और इलाज चालू हो जाने से इन्हें तत्काल आराम मिल गया है। इसी तरह जिला अस्पताल में भी आहतों को इलाज मिला है। वही घायलों की संख्या को देखते हुए अभी भी सरकारी अस्पताल में अलर्ट चल रहा है। जो आने वाले 48 घंटे तक रहेगा। वही निजी अस्पताल में भी पटाखों से झुलसकर पहुचने वालो का इलाज मिल रहा है। कुलमिलाकर इस बार दीवाली के पर्व के दौरान जलने की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी झुलसने के मामले

शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी पटाखा जलाने के दौरान झुलसने के मामले हुए हैं। हालांकि इनकी संख्या कम रही हैं। लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इनके इलाज की व्यवस्था की गई थी, ऐसे में पहुचे गिनेचुने मामलों में लोगो को इलाज मिला है। ग्रामीण क्षेत्र में भी जलने के कोई गंभीर मामला सामने नहीं आया है।

विवाह कार्य के लिए भवनों की बुकिंग शुरू

बिलासपुर। त्योहारों के साथ-साथ अब शादी सीजन की शुरुआत होने वाली है। आगामी 23 नवंबर से मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। अभी से जोरशोर से फोटोग्राफो, कैटरिंग, बैंड-बाजा व शादी भवन की बुकिंग शुरू हो गई है। वही अपनी शादी में यूनिक डेकोरेशन बनाने के लिए शादियों में म्यूजिकल फाउंटेन, मैस्कॉट और फूलों के साथ-साथ पौधों से डेकोरेशन की मांग आने लगी है। अपने पसंदीदा डेकोरेशन के लिए शहरवासी लाखों खर्चने को तैयार हैं।

नवंबर और दिसंबर में विवाह के लिए कुल 14 शुभ मुहूर्त हैं। ऐसे में शादियों में होने वाली खरीदारी के मद्देनजर बाजार सज चुका है।

आतिशबाजी ने गांव में कराया विवाद, 7 लोग बने आरोपी

जांजगीर। दिवाली की रात पोड़ी दल्हा में युवक यशु कुमार साहू घर के बाहर पटाखा फोड़ रहा था। उसके घर के सामने शिवकुमार साहू का कमान है। रात 10 बजे शिवकुमार साहू बाहर निकला और पटाखा फोड़ने पर विवाद करते हुए गाली गलौज करने लगा। उसे शिवकुमार और उसके भाई योगेंद्र साहू ने गाली देने से मना किया तो शिवकुमार के साथ विष्णु साहू, धर्मात्मा साहू व रामायण साहू ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने शिवकुमार की रिपोर्ट पर चारों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

विवाद में आया कबड्डी का आयोजन

जांजगीर। मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम करूम्हूं में कबड्डी प्रतियोगिता में एलाउंसमेंट को लेकर विवाद हो गया। विवाद के चलते मैच खत्म होने के बाद गांव के कुछ युवकों ने मैच के दौरान एलाउंसमेंट कर रहे युवक के भाई को बुरी तरह पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद इसकी शिकायत पुलिस से की है पुलिस के अनुसार करूम्हूं में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मैच के दौरान अलखराम श्रीवास एनाउंसमेंट कर रहा था। इस बीच गांव के धनराज केवट और उसके साथी रामनारायण, रघुराज व अजीत कबड्डी ग्राउंड में बार-बार आ रहे थे।

इस सप्ताह ठंड बढ़ेगी, मौसम खुशनुमा बना रहेगा

बिलासपुर। न्यूनतम तापमान में आएगी गिरावट00 सिटी डायरी के लिए मौसम की दृष्टि से आने वाला सप्ताह सुकून भरा होगा। ठंड बढ़ेगी। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है। रविवार को मौसम शुष्क रहा। आज से रात के तापमान में गिरावट दर्ज होगी। लोग अलमीरा से गर्म कपड़े निकालेंगे।

मौसम वेधशाला के मौसम विज्ञानी डा.एचपी चंद्रा के मुताबिक 12 नवंबर को पश्चिमी विक्षोभ गुजर जाने के कारण से उत्तरी हवाओं का प्रभाव प्रारंभ होने की संभावना है। इसके साथ ही वातावरण में नमी की मात्रा में गिरावट होने की संभावना बढ़ रही है। न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर प्रारंभ होने की संभावना बढ़ रही है। प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना बनी हुई है। गर्मी का अहसास नहीं होगा।

महिला की घर में ही मिली लाश, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

बिलासपुर । शादी के दो दिन बाद अपने घर से भाग कर अपने प्रेमिका के साथ शादी करने वाली महिला की खून से लथपथ लाश मिलने से खलबली मच गई है। मामला पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम जलसो का है। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। जहां उनके पति जब घर लौटे तो उन्होंने देखा की महिला खून से लथपथ थी। वहीं महिला के मायके के स्वजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए महिला की पति सहित ससुराल के लोगों को गिरफ्तार किये जाने की मांग की है।

पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम जलसो के निवासी योगेंद्र कुर्रे (25) पचपेड़ी में च्वाइस सेंटर चलाते हैं। शुक्रवार को धनतेरस होने के कारण वे जल्दी ही दुकान बंद कर अपने घर चले गए। घर में उनकी पत्नी श्वेता साहू की खून से लथपथ लाश मिली। योगेंद्र ने इसकी जानकारी श्वेता के मायके वालों को दी।

दीपों से जगमगाया बाराद्वार अंचल

बाराद्वार। नगर सहित आसपास के क्षेत्र में इस वर्ष दीपों का पर्व 12 नवंबर को दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर घरों में गणेश जी व लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई। नगर में दिवाली को लेकर सभी ज्वेलर्स, पटाखा, बर्तन, ऑटोमोबाइल व दुकानों में भीड़ रही।

भाजपा प्रत्याशी नारायण चंदेल ने कलेश्वरनाथ के दरबार में मत्था टेका

जांजगीर-चांपा। विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होना है। इस लिहाज से अब सिर्फ दो दि नही जनसंपर्क किया जा सकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी हर जगह पहुंचने की जुगत में हैं। भाजपा प्रत्याशी नारायण चंदेल ने कलेश्वरनाथ के चरणों में मत्था टेकने के बाद उन्होंने पीथमपुर गांव से जनसंपर्क अभियान प्रारंभ किया।

जांजगीर चांपा सीट के भाजपा प्रत्याशी नारायण चंदेल कल सुबह पीथमपुर गांव पहुंचे। यहां भगवान कलेश्वरनाथ के दरबार में पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों के खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने पीथमपुर गांव के विभिन्न मोहल्लों में जनसंपर्क कर आशीर्वाद मांगा। इसके बाद श्री चंदेल ने क्षेत्र के हीरागढ़ सहित अन्य गांवों में पहुंचकर लोगों को संबोधित भी किया।इस दौरान श्री चंदेल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हाथ में गंगाजल लेकर कसम खाने के बाद भी शराब बंदी नहीं की गई। कांग्रेस पर लोगों को छलने का आरोप लगाया। वहीं उन्होंने भाजपा सरकार के राज्य में 15 साल की उपलब्धि और मोदी गारंटी की जानकारी देते हुए लोगों से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया।

स्कॉर्पियो ने बाइक को ठोका, युवक की मौत

जांजगीर। अकलतरा-जांजगीर के रास्ते एनएच 49 पर स्कॉर्पियो चालक ने बाइक सवार एक व्यक्ति को ठोकर मार दी। स्कॉर्पियो की ठोकर से बाइक सवार व्यक्ति रोड किनारे जा गिरा और उसकी मौके पर मौत हो गई, वहीं स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित को होकर रोड किनारे खेत में जा फसा।

नवधा रामायण का आयोजन होगा आज से

मुलमुला। ग्राम मुलमुला के दुर्गा चौरा मंच में नवधा रामायण का आयोजन 14 नवंबर से किया जाएगा। पहले दिन गांव में कलश यात्रा निकाली जाएगी फिर वेदी पूजन कर शाम 5 बजे से नवधा रामायण की शुरुआत होगी। समापन 23 नवंबर को किया जाएगा। समापन अवसर पर रामायण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जनसंपर्क कर कांग्रेस प्रत्याशी ने लोगों से भेंट की

जांजगीर-चांपा। विधानसभा क्षेत्र जांजगीर चांपा के कांग्रेस प्रत्याशी व्यास कश्यप को जनसंपर्क के दौरान व्यापक जन समर्थन प्राप्त हो रहा है वह कल चांपा शहर के विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क कर लोगों से आशीर्वाद मांगा ।

इस अवसर पर मां समलेश्वरी मंदिर में कांग्रेस प्रत्याशी व्यास कश्यप ने माथा टेक कर आशीर्वाद मांगा तथा उसके बाद शहर में जनसंपर्क प्रारंभ कर वार्डों की परिक्रमा किया । इस अवसर पर चांपा शहर के तमाम कांग्रेसी नेता व्यास के पक्ष में जनसंपर्क के लिए निकले जिसमें पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन भी उपस्थित रहे हैं इसके अलावा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष जयकुमार थवाईत , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल आदि कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रूप से शहर में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाते हुए घर-घर जाकर लोगों के समक्ष दस्तक दी एवं उनसे कांग्रेस को जीतने की अपील की गई । इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी व्याज कश्यप ने कहा कि आगामी कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है और कांग्रेस ने जो वादा किया है उसे पूरी तरह से पूरा किया जाएगा ।

कांग्रेस सरकार में ही आम जनों का ही समाहित है इसलिए क्षेत्र के विकास के लिए कांग्रेस पार्टी को वोट देना आप सभी का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार गरीबों एवं महिलाओं की सरकार है इसके अलावा युवाओं में रोजगार उत्पन्न करने के लिए वह कृत संकल्पित है इस नाते कांग्रेस पार्टी ने केजी से पीजी तक की कक्षाओं के लिए निशुल्क शिक्षा की घोषणा की है यह योजना मिल का पत्थर साबित होगा इसलिए कांग्रेस पार्टी को आप सभी प्रचंड मतों से जीतकर विजय बनावे ।

इस अवसर पर कांग्रेस की रैली में सुनील साधवानी,हरीश पांडे,नागेंद्र गुप्ता अंजुम अंसारी सहित सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सावित्री देवी का निधन

जांजगीर चांपा। जिले के प्रतिष्ठित नागरिक एवं पत्रकार रतन प्यासा, राजेश, संतोष की माता श्रीमती सावित्री देवी का विगत दिनों निधन हो गया। वे 84 वर्ष की थी जो कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थी। जिनका निधन 10 नवंबर शाम 7 बजे को हो गया । जिनकी अंत्येष्टि 11 नवंबर को ग्राम हरदी (महामाया) में की गई। उनके अंतिम यात्रा में भारी संख्या में लोग उपस्थित थे उनके शव को उनके जेष्ठ पुत्र रतन प्यासा द्वारा मुखाग्नि दी गई। स्वर्गीय श्रीमती सावित्री देवी अपने पीछे तीन पुत्रों सहित भरा पूरा परिवार बिलखते छोड़कर चली गई है उनके निधन से क्षेत्र में शोक का लहर व्याप्त है।

तरुण छत्तीसगढ़
e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

अनमोल वचन

ठोकर रुकना नहीं सिखाता बल्कि संभल कर चलना सिखाता है..!

निर्माण से जुड़े खतरे

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में टनल में 40 मजदूर फंस गए। उन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मजदूरों से संपर्क हो गया है और उन तक ऑक्सीजन की सप्लाई और भोजन पहुंचाया गया है। लेकिन ऐसे निर्माण कार्य से जुड़े खतरों ने एक बार फिर सबका ध्यान आकर्षित किया है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में रविवार तड़के जिस तरह से सिल्क्यारा सुरंग का एक हिस्सा धंस गया। इससे न सिर्फ इस हादसे में फंसे सभी 40 मजदूरों की जान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है बल्कि संवेदनशील क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से जुड़े हादसों को देखते हुए इन पर अलग से विचार करने की जरूरत फिर से रेखांकित हुई है। अच्छी बात यह है कि स्थानीय प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। सुरंग में फंसे मजदूरों से संपर्क स्थापित करके यह पता कर लिया गया कि वे सभी सुरक्षित हैं। उन तक ऑक्सिजन और भोजन पहुंचाने की भी व्यवस्था की गई। इन तक पहुंचने के लिए मलबे हटाते हुए एक अलग सेफ पैसेज बनाने की कोशिश की जा रही है। निश्चित रूप से इस मामले में भी इस पर पूरे देश की नजरें टिकी रहेंगी कि कितनी जल्दी सभी 40 मजदूरों को सुरक्षित निकाला जाता है। मगर यह इस प्रकरण का केवल एक पहलू है। दूसरा उतना ही अहम पहलू है इस पहाड़ी राज्य में चलने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्टों और समय-समय पर होने वाले हादसों का। यह सुरंग बहुचर्चित चार धाम हाईवे प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रॉजेक्ट पर सवाल उठे थे और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। सरकार ने उस वक्त शीर्ष अदालत में यह दलील दी थी कि देश के रक्षा हितों के मद्देनजर यह परियोजना जरूरी है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट से प्रॉजेक्ट को मंजूरी भी मिली थी। यह बात ठीक भी है कि देश के रक्षा हितों से समझौता नहीं किया जा सकता। खैर, शुरुआती खबरों में इस हादसे को भूस्खलन का परिणाम बताया गया है, लेकिन फिलहाल राहत और बचाव कार्यों पर पूरा फोकस होने के कारण उस बारे में विस्तृत और प्रामाणिक सूचना नहीं आई है। यह सुनिश्चित करना होगा कि हादसे से जुड़ी तात्कालिक चुनौतियों से निपटने के बाद इसके कारणों से जुड़ी रिपोर्ट पर भी बारीकी से गौर करते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। ध्यान रहे, पर्यावरण के जानकार हिमालय क्षेत्र में नए कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण को लेकर आगाह करते आए हैं। कुछ समय पहले ही जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं को लेकर यह बात दोहराई गई थी। उस वक्त भी कहा गया था कि कुछ प्रॉजेक्ट्स की वजह से जमीन धंसने की प्रक्रिया तेज हुई है। यह बात भी सामने आई थी कि दशकों पहले की रिपोर्ट में संभावित हादसे को लेकर चेतावनी दी गई थी। इसी तरह के सवाल हिमाचल प्रदेश को लेकर भी उठाए जा चुके हैं। चिंता की बात यह है कि एक्सपर्ट्स की ऐसी तमाम सिफारिशें कुछ समय बाद धूल खाने लगती हैं। न तो विकास प्रक्रिया की रफ्तार पर उनका कोई खास असर दिखता है, न उसके स्वरूप में कोई बदलाव नजर आता है। सबसे बड़ी चुनौती आज भी यही है कि पहाड़ की खास जरूरतों को समझते हुए वहां के लिए विकास का नया ढांचा तय किया जाए।

राशिफल

मेष : आज आपका का दिन सामान्य रहेगा। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा तथा मनोरंजन संबंधी कार्यक्रम भी बनेंगे। पारिवारिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में आपका विशेष योगदान रहेगा और आप उसमें कामयाब भी रहेंगे। जीवन साथी की भावनाओं को समझ मधुरता स्थापित करेंगे। स्वास्थ्य सुधार होगा।

वृष : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परंतु कार्य संपन्न होने में कुछ व्यस्त रह सकते हैं। इस समय तनाव लेने की अपेक्षा धैर्य बनाकर रखना ज्यादा उचित रहेगा। युवा वर्ग तथा विद्यार्थियों को इस प्रतियोगी माहौल में अत्यधिक मेहनत की जरूरत है।

मिथुन : अगर आप राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हैं, तो यह संपर्क आपके लिए कुछ अच्छे अवसर प्रदान करने वाले हैं। इसलिए अपने संपर्क सूत्रों को और अधिक मजबूत बनाकर रखें। प्रॉपर्टी संबंधी कोई रुका हुआ काम भी आज हल हो सकता है।

कर्क : कार्य क्षेत्र में इस समय सूझबूझ व समझदारी से आप किसी भी परेशानी को आसानी से हल कर पाएंगे। कर्मचारियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखें, इससे उनका मनोबल बढ़ेगा तथा वे लोग कार्यों को मन लगाकर करेंगे। आय के स्रोतों में भी इजाफा होगा।

सिंह : रिस्क प्रवृत्ति के कार्यों से दूर रहें। वर्तमान समय में जैसा चल रहा है उसी पर अपना ध्यान केंद्रित रखें। अनजान लोगों के साथ किसी भी तरह का बिजनेस करते समय पूरी तरह चौकन्ना रहें। क्योंकि इस तरह की लापरवाही आपको नुकसान दे सकती है।

कन्या : आपका दिन मनोनुकूल रहेगा। धन प्राप्ति के योग हैं। सामाजिक सम्मान मिलैगा। घर के नवीनीकरण या सुधार जैसी योजनाओं पर कार्य करते समय वास्तुविद की सलाह अवश्य लें। इससे आपके घर में सकारात्मकता आएगी। साथ ही प्रत्येक कार्य को करने से पहले बजट का भी ध्यान रखना अति आवश्यक है।

तुला : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कार्य क्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता बनी रहेगी। ऑर्डर को समय पर पूरा करने से मार्केट में आपकी साख बनेगी। इस समय प्रतिद्वंद्वियों की गतिविधियों को नजरअंदाज ना करें। नौकरीपेशा लोगों को मेहनत से काम लेना है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक : इस समय व्यवसाय में आपके पक्ष में कुछ महत्वपूर्ण स्थितियां बन रही हैं, इसलिए पूरी गंभीरता के साथ अपने कार्यों को अंजाम दे। धीमी गति से चल रहे काम में अब सुधार आएगा। ऑफिस मे सहकर्मी ईर्ष्या तथा जलन की भावना से आपके कार्यों में कुछ नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

धनु : पिछले कुछ समय से चल रही विपरीत परिस्थितियों में आज अचानक ही किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद मिलेगी, जिससे आप अपनी समस्याओं से मुक्ति पा लेंगे। इस समय किसी भी अनुभवी व्यक्ति की सलाह की अवहेलना ना करके उस पर गंभीरता से विचार करें। स्वास्थ्य सही रहेगा।

मकर : व्यवसाय में उत्पादन क्षमता में सुधार आना शुरू होगा। आर्थिक स्थितियां भी बेहतर होंगी। इस समय मार्केट से संबंधित कार्यों को निपटाने की कोशिश करें तथा अपनी पुरानी पार्टियों के साथ भी पुनः संपर्क स्थापित करने से फायदा हो सकता है।

कुंभ : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। धार्मिक कार्यक्रम बनेंगे। धन धान्य से सम्पन्न होंगे। जिस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे, आज उसके उचित परिणाम हासिल करने का समय आ गया है। इसलिए प्रयासरत रहें और आशावादी बने रहें। परंतु अपनी दिनचर्या में अत्यधिक अनुशासन और मेहनत की आवश्यकता है।

मीन : आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। कार्य क्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता बनी रहेगी। धर्म में रुचि बढेगी। इस समय प्रतिद्वंद्वियों की गतिविधियों को नजर अंदाज न करें। नौकरी पेशा लोगों को मेहनत व सावधानी से काम लेना है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।00

भूकंप से कैसे कम हो जोखिम

//योगेश कुमार गोयल//

नवम्बर 3 को आधी रात से ठीक पहले पश्चिमी नेपाल में आए 6.4 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप से 157 से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं।नेपाल में आए शक्तिशाली भूकंप का असर नेपाल से सटे बिहार व उत्तर प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड और दिल्ली तक महसूस किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक जिस इलाके में 500 साल पहले भीषण भूकंप आया हो, उस इलाके में 8 या उससे ज्यादा तीव्रता वाला शक्तिशाली भूकंप आने का खतरा होता है, और नेपाल में यह खतरा बरकरार है।

दरअसल, विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों के मुताबिक पश्चिमी नेपाल की सतह के नीचे 500 वर्षों से भूकंपीय ऊर्जा जमा हो रही है, और यह शक्ति इतनी ज्यादा है कि इससे रिक्टर स्केल पर 8 या उससे भी अधिक तीव्रता वाला भूकंप आ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नेपाल में 1505 में आया भूकंप इतना शक्तिशाली था कि उससे जमीन 20 मीटर तक खिसक गई थी। वह भूकंप 8.5-8.7 तीव्रता का था। उसी से दिल्ली की कुतुबमीनार से लेकर ल्हासा तक काफी नुकसान हुआ था। 1505 के भूकंप के बाद सबसे भयावह भूकंप 1934 के भूकंप को माना जाता है, जिससे काठमांडू से लेकर बिहार तक भारी नुकसान हुआ था।जहां तक भारत में भूकंप के खतरों की बात है तो नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के एक अध्ययन में बताया जा चुका है कि 20 भारतीय शहरों तथा कस्बों में भूकंप का खतरा सर्वाधिक है, जिनमें दिल्ली सहित नौ राज्यों की राजधानियां भी शामिल हैं। हिमालयी पर्वत श्रृंखला क्षेत्र को दुनिया में भूकंप को लेकर सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और एनसीएस के एक अध्ययन के अनुसार भूकंप के लिहाज से सर्वाधिक संवदेनशील शहर इसी क्षेत्र में बसे हैं।

कई भूगर्भ वैज्ञानिक आशंका जता चुके हैं कि भूकंप के छोटे-छोटे झटके बड़े भूकंप के संकेत हो सकते हैं। कई विशेषज्ञ दिल्ली से बिहार के बीच 7.5-8.5 तीव्रता के बड़े भूकंप की आशंका जता चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर में तो भूकंप के झटके बार-बार लगते रहे हैं। हालांकि एनसीएस की ओर से कहा गया है कि दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में आने वाले भूकंप के झटकों से घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि जोखिम कम करने के उपायों पर जोर देने की जरूरत है। यह भी कहा गया है कि ऐसी कोई तकनीक नहीं है, जिससे भूकंप आने के समय, स्थिति और तीव्रता की सटीक भविष्यवाणी की जा सके। भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-हरिद्वार रिज में खिंचाव के कारण धरती बार-बार हिल रही है। यहां रह-रहकर भूकंप के झटकों से पता चल रहा है कि यहां कई भू-गर्भीय फॉल्ट सक्रिय हैं, जिनकी वजह से बड़ा भूकंप भी आ सकता है, लेकिन उसका कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। इंडियन प्लेट हिमालय से लेकर अंटार्कटिक तक फैली है, जो हिमालय के दक्षिण में जबकि यूरेशियन प्लेट हिमालय के उत्तर में है। भूकंप वैज्ञानिकों के अनुसार 8.5 तीव्रता वाला भूकंप 7.5 तीव्रता के भूकंप के मुकाबले करीब 30 गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। रिक्टर स्केल पर 5 तक की तीव्रता वाले भूकंप को खतरनाक नहीं माना जाता लेकिन यह भी क्षेत्र की संरचना पर निर्भर करता है।

भूकंप के लिहाज से दिल्ली एनसीआर को काफी संवेदनशील इलाका माना जाता है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली में करीब 90 फीसद मकान क्रंकीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसद इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकंप को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसद हिस्सा जोन-5 में आता है, जो भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी बताया जा चुका है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6-6.6 तीव्रता का भूकंप झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5-5.5 तीव्रता का भूकंप ही सह सकती हैं।

विशेषज्ञ बड़ा भूकंप आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि दिल्ली में प्रति वर्ग किलोमीटर में करीब दस हजार लोग रहते हैं, और कोई भी बड़ा भूकंप 300-400 किलोमीटर की रेंज तक असर दिखाता है। रिक्टर पैमाने पर जितनी ज्यादा तीव्रता का भूकंप आता है, उतना ही ज्यादा कंपन होता है। रिक्टर पैमाने का हर स्केल पिछ्ले स्केल के मुकाबले 10 गुना ज्यादा ताकतवर माना जाता है। जहां रिक्टर पैमाने पर 2.9 तीव्रता का भूकंप आने पर हल्का कंपन होता है, वहीं 7.9 तीव्रता के भूकंप से इमारतें धराशयी हो जाती हैं। बहरहाल, बार-बार लग रहे भूकंप के झटकों को देखते हुए अधिकांश विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में इमारतों को भूकंप के लिए तैयार करना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़े भूकंप के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

केजरीवाल क्यों टारगेट में सर्वाधिक

//हरिशंकर व्यास//

संदेह नहीं है कि मोदी-शाह के नंबर एक टारगेट पर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी है। वजह क्या। तात्कालिक कारण लोकसभा चुनाव की भाजपा रणनीति है। जबकि मूल कारण केजरीवाल की वह इमेज है, जिससे वे नरेंद्र मोदी की बराबरी में अपने को ईमानदार, राष्ट्रवादी, भारत माता के भक्त, विकास, गरीबों के भले, रेवड़ियों की जुमलेबाजी करते आए हैं। अरविंद केजरीवाल को भी अभिनय, भाव-भंगिमा, जुमलों और झूठ से लोगों का बहकाना, भक्त बनाना आता है। केजरीवाल भी मध्य वर्ग, गरीब और पढ़े-लिखों सभी में यह धारणा बनवा लेते हैं कि केजरीवाल है तो मुमकिन है। मामूली बात नहीं है जो उन्होंने अपने जादू से 12 साल में आम आदमी पार्टी का राष्ट्रीय दर्जा बनवा लिया। दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाई तो गुजरात से लेकर हरियाणा आदि राज्यों में चाल, चेहरे, चरित्र का हल्ला और वोट बनाए।

उस नाते छह महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव पर सोचें। मोदी-शाह की पहली प्राथमिकता क्या है। सर्वोच्च प्राथमिकता हिंदी भाषी प्रदेशों में, उत्तर भारत में भाजपा 2019 जितनी सीटें जीते। इसमें एक बड़ा खतरा कांग्रेस व आप के एलायंस का है। यदि इन्होंने एलायंस में चुनाव लड़ा तो दिल्ली (सात सीट), पंजाब (13), हरियाणा (11), चंडीगढ़ (एक), हिमाचल प्रदेश (चार) याकि कुल 36 लोकसभा सीटों पर भाजपा को कड़ी लड़ाई लड़नी होगी। पंजाब में न उसे और न उसकी सहयोगी किसी पार्टी को सीट मिलेगी। वही हरियाणा में भाजपा की गैर-जाट वोटों की राजनीति में केजरीवाल के वैश्य-मध्य वर्ग वोटों से मुश्किल होगी। ऐसा ही दिल्ली में होना है। मतलब इन 36 सीटों पर कांग्रेस व आप का एलायंस एक और एक ग्यारह होता है। यदि ये दोनों पार्टियां मिल कर 15-18 सीटें भी जीत जाएं तो भाजपा का गणित गड़बड़ा जाएगा।

इसलिए न केवल 2024 के लोकसभा चुनाव, बल्कि बाद के हरियाणा के चुनावों के तकाजे में भी जरूरी है कि येन केन प्रकारेण अरविंद केजरीवाल को दागी बता जेल में रखा जाए। लोगों के दिल-दिमाग से केजरीवाल की ईमानदार इमेज पर लगातार हथौड़े चला कर उसे ऐसा बना दिया जाए जिससे बनियों-मध्य वर्ग-गरीब की वोट बैंक राजनीति में वे बदनाम हो जाएं और यह धारणा बने कि आप अब खत्म। दरअसल राहुल गांधी को पप्पू बनाना और अरविंद केजरीवाल को भ्रष्ट बनाना एक ही रणनीति के दो पहलू हैं। कम उम्र के राहुल और केजरीवाल (हेमंत और तेजस्वी को भी इस श्रेणी में रख सकते है। इसलिए इन पर भी ईडी-सीबीआई की मार) भविष्य में क्योंकि खतरा होंगे तो वक्त रहते इन्हें ऐसा पप्पू व भ्रष्ट करार दो ताकि लोगों के जहन में ये नाम कभी स्वीकार्य ही न हों। देश के लिए प्रधानमंत्री चुनने का जब भी सवाल आए तो लोग यह कहते हुए राहुल गांधी को नकारें कि तो क्या पप्पू को प्रधानमंत्री बनाएं या तिहाड़ में बंद अरविंद केजरीवाल को। सचमुच हिसाब लगाएं तो मोदी-शाह-भाजपा और भक्तों की मीडिया टीम और मीडिया नैरेटिव में नौ सालों में जिस पैमाने पर राहुल गांधी को पप्पू व केजरीवाल को भ्रष्ट बनाने का जैसा मनोवैज्ञानिक अभियान चला है वैसा भारत के इतिहास में केवल एक ही बार पहले देखने को मिला है। वह अभियान था नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' साबित करने का।

और देखिए, अब नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री अपने विरोधियों को खत्म करने के लिए कांग्रेसियों, सेकुलरों, वामपंथियों से भी अधिक बेशर्म तौर-तरीकों से किसी को पप्पू बनवा दे रहे हैं तो किसी को भ्रष्ट तो किसी को देशद्रोही।

सो, केजरीवाल का लोकसभा चुनाव के वक्त जेल में होना लगभग तय है। आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने लायक नहीं रहेगी। दिल्ली-पंजाब के कांग्रेसी नेता भी आप को खत्म करार दे एलायंस में ना नुकुर करेंगे। संभव है ईडी आप पार्टी को ही कथित शराब घोटाले में लिप्त करार दे उसके अकाउंट को फ्रीज करने जैसे अचानक ऐसे एक्स्ट्रिम दांव चले, जिससे चुनाव लड़ना ही संभव नहीं रहे।

सवाल है क्या अरविंद केजरीवाल उससे पहले सरेंडर नहीं हो जाएंगे। कईयों का मानना है कि केजरीवाल का सरेंडर कराना, उनकी राजनीति को मायावती, अखिलेश यादव जैसा बनवाना भाजपा का मकसद हो सकता है। राघव चड्ढा या एक्सवाईजेड के जरिए आरएसएस-मोदी-शाह से परोक्ष बात कर पार्टी रहम पा सकती है। इंडिया एलायंस के भीतर विभीषण के रोल को अपना सकती है!

यों राजनीति में असंभव कुछ नहीं है। बावजूद इसके असल बात यह है कि मोदी-शाह के राजनीतिक रोडमैप में जहां केजरीवाल भविष्य का खतरा हैं वही प्रधानमंत्री मोदी पिछले नौ वर्षों में केजरीवाल से मिले अनुभवों को भी नहीं भूल सकते हैं। तभी केजरीवाल और उनकी सरकार के खिलाफ हर वह काम हुआ जो पहले कभी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री, राज्य और सरकार के अधिकार तक घटा दिए गए।

स्थायी समस्या का मौसमी समाधान

दिल्ली और उत्तर भारत के ज्यादातर शहरों में प्रदूषण की समस्या चिरस्थायी है। हर साल सर्दियों में आसमान में धूल और धुंध की काली चादर छाई रहती है। धीरे धीरे बहुत छोटे आकार के बेहद नुकसानदेह धूल कण यानी पीएम 2.5 हवा में बढ़ते जा रहे हैं। साथ ही नाइट्रोजन हाइड्रोऑक्साइड यानी एनओ2 की मात्रा भी बढ़ती जा रही है, जो इस बात का संकेत है कि गाड़ियों के धुएं से होने वाले प्रदूषण को कम करने की सारी कोशिशें नाकाम हो गई हैं। ऐसा नहीं है कि सर्दियों के अलावा साल के बाकी समय में दिल्ली और उत्तर भारत के शहर प्रदूषण से मुक्त होते हैं। तब हवा थोड़ी साफ जरूर रहती है लेकिन वह मौसम की वजह से होती है। बारिश या तेज हवाओं की वजह से छोटे छोटे धूल कण हवा में ऊपर उठ जाते हैं, लटके नहीं रहते हैं इसलिए उनका असर थोड़ा कम रहता है। प्रदूषण की इस समस्या के कई पहलू हैं। हवा के साथ साथ पानी भी प्रदूषित है क्योंकि नदियों की सफाई नहीं होती है और शहरों में गिनती के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट हैं, जिनसे समूची आबादी के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नामुमकिन है। रसायनिक खाद और कीटनाशक के इस्तेमाल से मिट्टी लगातार प्रदूषित होती जा रही है और खाद्य श्रृंखला भी प्रदूषित हो गई है। फूड चेन इतनी प्रदूषित हो गई है कि घरों में आने वाली सब्जियां हों या मांस-मछली, सब केमिकल से भरे हुए हैं। मरे हुए जानवरों की शरीर इतना जहरीला हो गया है कि उनका मांस खाकर कुत्ते पागल हो रहे हैं और शहरों-कस्बों में तांडव कर रहे हैं तो गिद्ध से लेकर कौओं तक की प्रजाति उन्हें खाकर समाप्त होती जा रही है। लेकिन हवा, पानी और खाद्य वस्तुओं में से किसी का प्रदूषण खत्म या कम करने के लिए कोई ठोस और दीर्घावधि की योजना नहीं बन रही है। प्रदूषण की चर्चा भी सिर्फ तभी होती है, जब सर्दियों में राजधानी दिल्ली के आसमान पर धूल और धुएं की परत चढ़ती है।हर साल की सर्दियों की तरह अभी फिर दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। लोगों का दम घुट रहा है। अस्पतालों में सांस की बीमारी वाले मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। जो सक्षम हैं वे दिल्ली से बाहर के अस्थायी ठिकानों पर चले गए हैं या जाने वाले हैं। सरकारें सक्रिय हो गई हैं और न्यायपालिक का भी मौखिक हथौड़ा चलने लगा है। लग रहा है जैसे यह सबसे बड़ी समस्या है, जिसका समाधान इस बार निकल कर रहेगा और अगर नहीं निकला तो जैसा कि सर्वोच्च अदालत ने कहा है, उसका बुलडोजर चलेगा और कई दिनों तक नहीं रूकेगा। लेकिन हकीकत यह है कि यह सब कुछ हर साल होता है। हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ने पर पुरानी गाड़ियों के दिल्ली में आने पर पाबंदी लगती है, पटाखों पर लगाई गई अदालती रोक को नए फैसले के जरिए दोहराया जाता है, पानी का छिड़काव शुरू होता है, बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं, वर्क फ्रॉम होम के लिए कहा जाता है और पार्टियां एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाती हैं। इतने में दो महीने बीत जाते हैं और फिर इसके साथ ही प्रदूषण से हर साल होने वाली मौसमी लड़ाई समाप्त हो जाती है। इसके बाद पूरे साल कुछ नहीं किया जाता है। यह हर साल की कहानी है।

दिल्ली और समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में प्रदूषण के तीन मुख्य स्रोत हैं। पहला, पड़ोसी राज्यों में धान की फसल कटने के बाद उसके डंठल यानी पराली को जलाना। दूसरा, गाड़ियों का धुआं और तीसरा, उद्योग व निर्माण कार्यों से होने वाला प्रदूषण और सड़क किनारे पड़ा कचरा। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण पर सुनवाई करते हुए पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को पराली जलाने पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया। सर्वोच्च अदालत ने पंजाब को लेकर खासतौर से नाराजगी जताई। गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों को भरोसा दिलाया था कि पंजाब में उनकी सरकार बन गई तो वे पंजाब में पराली जलाने पर रोक लगा देंगे और दिल्ली के लोगों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराएंगे। लेकिन अब जबकि दिल्ली की हालात पहले से भी खराब हो गए है तो केजरीवाल और उनकी पूरी सरकार हरियाणा व उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार पर आरोप लगाने में जुट गई है। यह उनकी खासियत है कि वे हर बार गोल पोस्ट बदल देते हैं और हर गड़बड़ी का ठीकरा दूसरे पर फोड़ने लगते हैं। हकीकत यह है कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ बरसों में पराली जलाने की घटनाओं में बहुत कमी आई है। पंजाब में भी कुछ कमी आई है लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब से ज्यादा नाराजगी जताई। परंतु केजरीवाल और उनकी पार्टी पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे दो महीने का समय काट रहे हैं ताकि अपने आप हवा साफ हो जाए।अगर सरकारें चाहें तो पराली जलाने की घटनाओं को बहुत कम कर सकती हैं। इसके लिए कई उपाय सुझाए गए हैं। धान की मौजूदा प्रजाति की जगह दूसरी प्रजाति की खेती को प्रोत्साहित करने का उपाय सुझाया गया है तो साथ ही धान की बजाय दूसरी फसल की खेती को प्रोत्साहित करने का सुझाव भी दिया गया है। अगर केंद्र सरकार दूसरी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी घोषित करती है, सरकारी खरीद की व्यवस्था बनाती है और राज्य सरकारें उस पर बोनस की घोषणा करती हैं तो किसान दूसरी फसल उपजाने की ओर अग्रसर होंगे।

तस्वीरों की दुनिया

भोपाल में विधानसभा चुनाव से पहले अर्धसैनिक बल के जवानों ने फ्लैग मार्च किया।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया नई दिल्ली की एक शहर की अदालत से अनुमति लेकर अपनी बीमार पत्नी से मिलने के बाद अपने आवास से निकले।

अगरतला में काली पूजा उत्सव से पहले एक कलाकार देवी काली की मूर्ति को अंतिम रूप देता हुआ।

नई दिल्ली में लोग दिवाली त्योहार से पहले सजावटी सामान खरीदते हुए।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में दीपोत्सव समारोह के दौरान भगवान राम, लक्ष्मण और देवी सीता के रूप में सजे कलाकारों के साथ।

उत्तर प्रदेश की रायपाल आनंदीबेन पटेल अयोध्या में दीपोत्सव समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ।

गुवाहाटी में प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए एक जीएमसीएच ट्रक सड़क पर पानी छिड़कता हुआ ।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चुनाव आयोग ने सभी पार्टियों को किया तलब

चुनावी बांड के जरिए मिले चंदों का ब्योरा देने को कहा

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

चुनावी बांड योजना शुरू होने के बाद से इसके जरिये चंदा प्राप्त कर चुके सभी राजनीतिक दलों से चुनाव आयोग ने 15 नवंबर तक उन्हें मिले चंदों का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने दो नवंबर को चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि वह विभिन्न राजनीतिक दलों को 30 सितंबर, 2023 तक चुनावी बांडों के जरिये मिले चंदों का विवरण सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करे।सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को तीन नवंबर को लिखे पत्र में आयोग ने प्रत्येक चुनावी बांड के दानदाता और प्रत्येक बांड की धनराशि का पूरा विवरण भी साझा करने को कहा है। आयोग ने पत्र में कहा कि इन विवरणों को दोहरे सीलबंद लिफाफों में भेजा जाना चाहिए। पहले सीलबंद लिफाफे में चुनावी बांड से संबंधित विवरण होंगे और दूसरे सीलबंद लिफाफे में पहला सीलबंद लिफाफा होगा जो

उसके चुनावी व्यय प्रभाग के सचिव को भेजा जाएगा। आयोग के मुताबिक, ये सीलबंद लिफाफे 15 नवंबर की शाम तक पहुंच जाने चाहिए। साथ ही लिफाफों पर स्पष्ट रूप से गोपनीय-चुनावी बांड अंकित होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने दो नवंबर को आदेश जारी कर कहा था, यह कवायद 19 नवंबर, 2023 तक या उससे पहले कर ली जाएगी। आंकड़ों को सीलबंद पैकेट में इस अदालत के रजिस्ट्रार (ज्यूडिशियल) को सौंपा जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने शीर्ष अदालत के 12 अप्रैल, 2019 के अंतरिम निर्देशों का भी जिक्र किया था जिसमें राजनीतिक दलों को सीलबंद लिफाफे में चुनाव आयोग को चुनावी बांड के जरिये प्राप्त चंदे का विवरण उपलब्ध कराने को कहा था।ीर्ष अदालत ने अप्रैल, 2019 में चुनावी बांड योजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, लेकिन स्पष्ट किया था कि वह इस संबंध में दायर याचिकाओं पर विस्तृत सुनवाई करेगा। उल्लेखनीय है कि चुनाव बांड योजना को सरकार ने दो जनवरी, 2018 को अधिसूचित किया था जिसे राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदों के विकल्प के रूप में लाया गया था।

दिवाली के मौके पर दिल्ली सरकार की शराब बिक्री से बंपर कमाई, दो सप्ताह में बिकीं इतनी बोतलें

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

दिवाली के त्योहारी सीजन में दिल्ली सरकार को दो सप्ताह में तीन करोड़ शराब की बोतलें बेचकर 525 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई हुई है। करीब 121 करोड़ रुपये कीमत की 64 लाख शराब की बोतलें दिल्ली में लोगों ने दिवाली से पहले केवल तीन दिनों में खरीदारी की। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिवाली से एक हफ्ते पहले एक करोड़ से अधिक शराब की बोतलों की बिक्री से सरकार को 234.15 करोड़ रुपये मिले। आबकारी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में होली और दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान शराब की बिक्री बढ़ जाती है। इसके पीछे का कारण, इसे न केवल व्यक्तिगत उपभोग और स्टॉक करने के लिए खरीदा जाता है, बल्कि उपहार के रूप में देने के लिए भी खरीदा जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिवाली से पहले 17 दिनों में कुल बिक्री तीन करोड़ बोतलों से अधिक थी, जिससे 525.84 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। दिवाली से ठीक पहले शराब की बिक्री में तेजी आई और बृहस्पतिवार शुक्रवार और शनिवार को दुकानों पर क्रमशः 17.33 लाख, 18.89 लाख और 27.89 लाख बोतलें बिकीं। अधिकारियों ने कहा कि दिवाली के दिन दुकानें बंद थीं। तीन दिनों में 64 लाख से अधिक बोतलों की इस संयुक्त बिक्री से कुल 120.92 करोड़ रुपये की कमाई हुई। पिछले साल दिवाली से तीन दिन पहले शराब की बिक्री 13.46 लाख, 15 लाख और 19.39 लाख बोतल थीं।

5 बीआरएस सांसदों को सदन की अवमानना का नोटिस, 28 नवंबर से पहले देना होगा जवाब

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

राज्यसभा सचिवालय ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पांच राज्यसभा सदस्यों को नोटिस जारी किया है। उन पर हाल में संसद के विशेष सत्र के दौरान विशेषाधिकार का हनन और सदन की अवमानना करने का आरोप है।राज्यसभा कार्यालय के अध्यक्ष की ओर से बीआरएस सांसद के.केशव राव, केटी रेड्डी सुरेश रेड्डी, दामोदर राव दिवाकोंडा, वद्दीराजू रविचंद्र और बडुगुला लिंगैया यादव को सदन में नियमों के खिलाफ तख्तियां दिखाने को लेकर विशेषाधिकार हनन का यह नोटिस मिला है। भाजपा के राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर की शिकायत पर यह नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने इन पांच सांसदों पर सदन के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।विशेषाधिकार समिति ने नोटिस के संबंध में बताया कि इस पर आठ नवंबर को हुई बैठक में राज्यसभा के नियम 188 के अधीन विचार किया गया था। कार्रवाई का यह फैसला लेने से पहले समिति के सदस्यों ने इस विषय में अपने विचार रखे और टिप्पणियां कीं। इसके बाद समिति ने इस शिकायत को स्वीकार कर लिया।

इंदौर में हिंगोट युद्ध के दौरान चले देसी बम, 35 योद्धा झुलसे

इंदौर, 14 नवंबर [एजेंसी]।

इंदौर में हिंगोट युद्ध के दौरान सोमवार शाम को 35 लोग घायल हो गए। विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिलाष शिवरिया ने बताया कि जिले से करीब 55 किलोमीटर दूर गौतमपुरा में हिंगोट युद्ध के दौरान 35 योद्धा झुलस गए। उन्होंने बताया कि युद्ध के दौरान एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया, जिसके बाद उसको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया जहां उसकी इलाज की जा रही है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। अभिलाष शिवरिया के मुताबिक, युद्ध के दौरान अन्य 34 लोगों को मामूली चोट आई है। हिंगोट युद्ध की परंपरा सैकड़ों वर्ष पुरानी बताई जाती है। इसमें युद्ध लड़ने वालों का मकसद एक दूसरे को नुकसान पहुंचाना नहीं बल्कि खेल की भावना होती हैं। इस बात का कोई भी प्रमाण अभी तक नहीं मिला है कि हिंगोट युद्ध कब से शुरू हुआ।

मान्यता है कि मुगलों के हमले के जवाब में मराठा सेना इसी तरह से युद्ध करती थी। हिंगोट आंवले के आकार वाला एक जंगली फल होता है। इसका गूदा निकालकर इस फल को खोखला कर लिया जाता है, जिसके बाद इसे सुखाकर इसमें खास तरीके से बारूद भरी जाती है। बारूद में आग लगाते ही यह रॉकेट जैसे पटाखे की तरह बेहद तेज गति से छूटता है और लम्बी दूरी तय करता है। हिंगोट युद्ध के दौरान गौतमपुरा के योद्धाओं के दल को तुर्रा नाम दिया जाता है, जबकि रुणजी गांव के लड़ाके कलंगी दल की अगुवाई करते हैं। दोनों दलों के योद्धा रिवायती जंग के दौरान एक-दूसरे पर जलते हिंगोट दागते हैं।

पटाखे फोड़ने से फिर बढ़ा दिल्ली में प्रदूषण, मौसम विभाग ने बताया- कब मिलेगी सांसों को राहत

नई दिल्ली 14 नवंबर। एनसीआर और आसपास के राज्यों में बारिश के बाद मौसम काफी हद तक साफ तो हो गया, लेकिन पटाखे फोड़ने और पराली जलाने की प्रवृत्ति में तेजी से वायु की गुणवत्ता एक दिन बाद ही फिर से बिगड़ गई है।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) का मानना है कि अब हफ्ते भर ऐसा ही रहेगा। हवा चलेगी तो ही वायु की गुणवत्ता में सुधार आएगा। हालांकि, इस बीच एनसीआर को प्रदूषण से हल्की राहत मिल सकती है, क्योंकि पटाखे का धुआं तीन-चार दिनों में छंट सकता है। आईएमडी के मुताबिक बारिश के बाद भी अभी रात की हवा लगभग स्थिर है, जबकि दोपहर में पांच से आठ किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। हवा की गति सुस्त होने से दिल्ली को प्रदूषण से जल्दी निजात मिलने की उम्मीद नहीं है।

अमित साध ने किया दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को याद, कहा- उस तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं था

नईदिल्ली, 14 नवंबर।

साल 2013 में आई फिल्म काई पो चे तो हर किसी को याद होगी। इस फिल्म में अभिनेता अमित साध, राजकुमार राव और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत दिखाई दिए थे। फिर सुशांत सिंह राजपूत के आकस्मिक निधन से उनके काई पो चे के को-स्टार्स अमित साध सहित कई बॉलीवुड हस्तियों पर गहरा प्रभाव पड़ा। अब अमित ने एक इंटरव्यू में सुशांत को लेकर बात की है। हाल ही में, सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक बातचीत में अमित साध ने सुशांत सिंह से जुड़ी कई बातें की हैं।

जब अमित साध से पूछा गया कि क्या उन्हें सुशांत सिंह राजपूत से संपर्क नहीं करने के लिए दोषी महसूस हुआ, तो इसका जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा उन्हें दोषी महसूस नहीं हुआ, लेकिन सुशांत से संपर्क करने में असमर्थता ने उन्हें निराश कर दिया। उन्होंने आगे कहा, मेरी निराशा यह थी कि उस तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं था और इसका असर मुझ पर भी पड़ा। तब मुझे एहसास हुआ कि तुम्हें अब और ज्यादा सतर्क रहना होगा। अमित साध ने आगे बताया कि अब अगर उनके दोस्त लंबे समय तक उनसे संपर्क नहीं करते हैं, तो वह सीधे उनके घर जाकर उनसे संपर्क करने का प्रयास करते हैं। उनका मानना है कि इस तरह के प्रयासों से दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोका जा सकता है और लोगों को एक-दूसरे के प्रति दयालु होना चाहिए। अमित साध ने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म इंडस्ट्री एक परिवार की तरह है। यह स्वीकार करते हुए कि असहमति हो सकती है, लेकिन इंडस्ट्री के अंदर कोई भी मुद्दा अपने दायरे में ही रहना चाहिए। मुझे बस यही लगता है कि इंडस्ट्री में और अधिक एकजुटता होनी चाहिए।

डाक घरों में गंगाजल मिलेगा मंहगा, अब खरीदने के लिए 18 प्रतिशत देना होगा जीएसटी शुल्क

भिवानी, 14 नवंबर [एजेंसी]।

आप डाक घरों से गंगाजल खरीदना चाहते हैं तो इसके लिए आपको महंगे दाम चुकाने होंगे। भारत सरकार के संचार मंत्रालय और डाक विभाग ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा साधारण लिफाफे और रजिस्ट्री आदि पर आम लोगों को अधिक शुल्क चुकाना होगा। इन सब पर अब 18 प्रतिशत जीएसटी अलग से देनी होगी।

अब तक इन पर जीएसटी की छूट थी पर अब आम लोगों को यह शुल्क चुकाना होगा।एडवोकेट सूरजचंद्र अग्रवाल ने बताया कि डाक विभाग में गंगाजल से लेकर अन्य विभिन्न सेवाओं पर 18 प्रतिशत अतिरिक्त जीएसटी लगा कर आम लोगों पर बेवजह का बोझ डाला गया है। यह सही नहीं है। इस पर सरकार को फिर से विचार करना चाहिए। गंगाजल व अन्य कई चीजों पर जीएसटी का प्रावधान किया गया है।

यह शुल्क निर्धारित चीजों पर शुरू हो गया है। इस बारे में डाक घरों में विभाग से पत्र आया है। संजय कुमार, अधीक्षक मुख्य डाक घर भिवानी। अंतरराष्ट्रीय ट्रैक्ड पैकेट सेवा, पंजीकृत मुद्रित पुस्तक, पोस्ट बैग और पोस्ट बाक्स नवीनीकरण पर भी 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगी। इनके अलावा भी कई अन्य चीजों जैसे गंगाजल, पार्सल, साधारण, राखी के लिफाफे, आधार कार्ड ठीक करवाना, पत्रिका व अखबार पोस्ट पर, किसी भी ई भुगतान, अंतरराष्ट्रीय एयरपार्सल, पंजीकृत विदेशी पत्र पर 18 प्रतिशत जीएसटी का प्रावधान किया गया है।

गाजियाबाद के आदित्य मॉल में लगी आग, शीशा तोड़कर लिफ्ट से लोगों को निकाला गया

साहिबाबाद, 14 नवंबर [एजेंसी]।

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के आदित्य मॉल में सोमवार रात करीब आठ बजे इलेक्ट्रिकल शाफ्ट में आग लगने से धुआं भर गया। बिजली कटने और धुआं भरने से अंदर ही करीब छह सौ लोग फंस गए। अग्निशमन कर्मियों ने पुलिस और मॉल के स्टाफ की मदद से सभी लोगों को सुरक्षित निकाला। एक ही परिवार के पांच लोगों को शीशा तोड़कर लिफ्ट से निकाला गया। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। सोमवार रात करीब आठ बजे इंदिरापुरम के आदित्य मॉल के इलेक्ट्रिकल शाफ्ट में आग लग गई। देखते ही देखते आग लग गई। शॉर्ट सर्किट की आवाज सुनकर सुरक्षा कर्मी भागा। फायर अलार्म भी बजने लगा। मॉल का स्टाफ पहुंचा, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जब तक आग बुझाना शुरू किया तो आग फैल गई।तार में लगी आग से निकलने वाला जहरीला और काला धुआं पूरे मॉल में भर गया। बिजली आपूर्ति बंद हो गई।अग्निशमन विभाग की सूचना दी गई।दीपावली पर काला पत्थर रोड पर तैनात एक गाड़ी और वैशाली फायर स्टेशन से दो गाड़ियां लेकर अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे। पूरे मॉल में चीख पुकार मच गई। एसी और इलेक्ट्रिकल पैनल से धुआं सिनेमा हाल की सभी चार आडी तक पहुंच गया।तीन ऑडी में फिल्म टाइगर और एक में 12वीं फेल चल रही थी। अंदर करीब साढ़े पांच सौ लोग थे। कुछ लोग बाहर की ओर भागे। अंधेरा होने के कारण लोगों को रास्ता दिखाई नहीं दिया। अंदर चीख पुकार मच गई। जिसको जहां जगह मिली वह उसी ओर भागने लगा। लेकिन रास्ता नहीं मिला।

लोग को सांस लेने में परेशानी होने लगी। शोर मचाकर मदद की गुहार लगाने लगे। बीए सेट पहनकर अग्निशमन कर्मी अंदर गए और लोगों को बाहर निकाला।अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि मॉल के मुख्य गेट से बायीं ओर 50 मीटर दूर लिफ्ट लगी है।आग लगने दौरान बिजली आपूर्ति ठप हो गई। एक ही परिवार के पांच लोग तीन पुरुष और दो महिलाएं लिफ्ट से नीचे आने लगे।तारों में आग लगने से बिजली कटने गई। इससे लिफ्ट बीच में फंस गई। लोग मदद की गुहार लगाने लगे। अग्निशमन कर्मी पहुंचे तो उन्होंने लिफ्ट के शीशे तोड़कर उसमें फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। करीब आधे घंटे तो लोग लिफ्त में फंसे थे।धुआं इसकर अंदर भरा हुआ था कि कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। अग्निशमन कर्मी बीए सेट पहनकर अंदर गए। कुछ ने गीला रुमॉल और तौलिया मुंह पर रखा और अंदर घुस गए। अपनी जान की परवाह किए बैगर सभी आडी में पहुंचे। जहां शोर मचाकर लोगों के अंदर होने के लिए पूछते रहे। एक एक रो में जाकर टार्च से देखा।

अनाउंसमेंट किया, लेकिन अंदर कोई नहीं था। सभी लोग बाहर निकल गए थे। करीब तीन घंटे तक सर्च आपरेशन चला। रुमॉल और तौलिया तक काला हो गया। मॉल में दुकान, रेस्तरां, बार, विभिन्न कंपनियों के कार्यालय हैं। आग लगने के बाद बाहर की ओर जिनकी दुकानों और कार्यालय थे। सभी बाहर आ गए थे। फिर जेनरेटर चलाकर पूरे मॉल के एग्जास्ट चलाए गए। तब जाकर अंदर भरा धुआं खत्म हुआ। मॉल के सभी फायर फाइटिंग सिस्टम चालू हालत में थे। एनओसी भी थी। मॉल के मैनेजर विजय शर्मा ने बताया कि कोई इलेक्ट्रिकल शाफ्ट में लगी थी। सभी लोग सुरक्षित हैं। यूएस सिनेमा के प्रबंधक राहुल त्यागी ने बताया कि चारों ऑडी में फिल्म चल रही थी। लोगों ने बुकिंग कराई थी। आग लगने के बाद ऑडी बंद कराई गई। उन सभी को रुपये लौटाए जाएंगे। इस प्रक्रिया में करीब सात दिन का समय लगेगा।आग लगने की सूचना मिली थी। अग्निशमनकर्मियों ने फंसे हुए करीब छह सौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। धुएं से लोग फंसे थे। कोई हताहत नहीं हुआ है। करीब तीन घंटे में पूरी तरह से काबू कर लिया गया।

ग्रेटर नोएडा में सिलेंडर फटने से कमरे की दीवार गिरी, दो बच्चे समेत चार घायल

ग्रेटर नोएडा, 14 नवंबर [एजेंसी]।

इटहेरा गांव में सिलेंडर फटने से कमरे की दीवार गिर गई। हादसे में दो बच्चे व दो महिला घायल हो गई। आनन-फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है। सभी के पैरों में चोट आई है। मामला सोमवार शाम साढ़े छह बजे के का है। मूल रूप से मध्य प्रदेश के सागर जिले के रहने वाले पीड़ित मनोहर व भाव सिंह ने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इको विलेज दो सोसायटी में गार्ड की नौकरी करते हैं। इटहेरा गांव निवासी हरलाल के मकान में किराए का कमरा लेकर पिछले कई सालों से निवास कर रहे हैं। मनोहर ने बताया कि उनकी पत्नी कुसुम शाम के वक्त खाना बना रही थी। अचानक पड़ोस के कमरे में रखा गैस सिलेंडर जोरदार धमाके के साथ फट गया और कमरे की दीवार गिर गई। जिस समय हादसा हुआ वह ड्यूटी पर थे।

पुलिस के हाथ से फिसला बाइक वाला बदमाश, पैर में लगी थी गोली और चढ़ा था प्लास्टर, फिर भी दे गया चकमा

कानपुर, 14 नवंबर [एजेंसी]।

पैर में गोली लगने से घायल इलाज कराने के लिए एलएलआर अस्पताल आया बाइक वाला बदमाश सोमवार तड़के पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भाग निकला। उसकी सुरक्षा में आए पुलिसकर्मी काफी देर तक उसे खोजते रहे आखिर में पता न चलने पर उन्होंने स्वरूप नगर थाने में सूचना दी।

पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। घटना को लेकर उरई पुलिस को भी सूचना भेजी गई है।जालौन जनपद के रामपुरा जगम्मनपुर निवासी जितेंद्र परिहार उर्फ शैलेन्द्र पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया था। उसके पैर में प्लास्टर चढ़ा हुआ था। उरई जेल का कोर्ट से वारंट बनने के बाद 11 नवंबर को उरई पुलिस बेहतर उपचार के लिये एलएलआर अस्पताल लाई थी। आरोपी की सुरक्षा में दो पुलिसकर्मी भी लगाए गए थे। पैर में प्लास्टर लगा होने के बावजूद सोमवार तड़के वह शौच के बहाने पुलिसकर्मियों को चकमा देकर एलएलआर अस्पताल से भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने उसकी तलाश में घंटों खाक छानी आखिर में पता न चलने पर उन्होंने स्वरूप नगर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। इसके साथ ही उरई पुलिस को घटना से अवगत कराया गया।एसीपी स्वरूप नगर शिखर ने बताया कि फरार आरोपी की तलाश में टीमें लगाई गई हैं लापरवाही बरतने के मामले में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ उरई पुलिस की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कंप्रेसर के जरिए मजदूरों को भेजा गया चना-चबेना पाइप से ऑक्सीजन की सप्लाई, मिलाया सिगनल

उत्तरकाशी, 14 नवंबर [एजेंसी]।

कैविटी खुलने से हुए भूस्खलन से सिल्क्यारा सुरंग में रविवार की सुबह से 40 श्रमिकों फंसे हैं। इन श्रमिकों की जिंदगी दाव पर है। रेस्क्यू अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। गनीमत यह कि रविवार की रात को सुरंग से पानी की निकासी के लिए बिछाया गया पाइप ही लाइफ लाइन बना है। पाइप के जरिए ऑक्सीजन सुरंग के अंदर डाली जा रही है, वॉकी टॉकी के सिगलन भी इसी पाइप मिलाए गए। तब जाकर रविवार की रात से श्रमिकों के साथ संपर्क हो रहा है। रसद भी इसी पाइप के जरिए पहुंचाई गई, परंतु सोमवार को नेताओं और अधिकारियों के दौरे के कारण रेस्क्यू में गतिरोध आया है। दोपहर सोमवार को 11.40 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का काफिला सिल्क्यारा पहुंचा। सुरंग के बाहर आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारी पुलिस फोर्स तैनात दिखी। आला अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री सुरंग के निरीक्षण के सुरंग के अंदर गए। साथ में भाजपा नेताओं का जत्था भी सुरंग के अंदर घटनास्थल पर गया है। करीब 25 मिनट तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुरंग में अधिकारियों से भूस्खलन और रेस्क्यू कार्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के लौटने पर लोडर और तीन डंपर के जरिए भूस्खलन का मलबा निकालने के कार्य ने गति पकड़ी। मुख्यमंत्री के लौटने के आधे घंटे के अंतराल में आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा मौके पर पहुंचे। करीब 20 मिनट तक आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा घटनास्थल पर रहे और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान 20 से अधिक अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान धीरे-धीरे मलबा हटाने का कार्य जारी रहा। सुरंग से निकलने के बाद आपदा सचिव ने बैठक ली और पत्रकारों से मीडिया से रूबरू हुए। इसी बीच गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान भी सुरंग में घटनास्थल का निरीक्षण के लिए पहुंचे।

दोपहर बाद जब अधिकांश अधिकारी और नेता सिल्क्यारा से निकले तो तब मलबा हटाने के कार्य ने गति पकड़ी। रेस्क्यू अभियान में तीन हेवी डंपर के जरिए सोमवार को 400 टन मलबा सुरंग से निकाला गया। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने कहा कि वॉकी-टॉकी से पाइप लाइन के थ्रू सुरंग में फंसे मजदूरों से संपर्क हो रहा है। यह पाइप पानी की निकासी के लिए बिछी गई है। इसी के जरिए ऑक्सीजन और रसद की आपूर्ति की जा रही है। इसी पाइपलाइन के जरिए चना-चबैना के पैकेट कंप्रेसर के जरिए दबाव बनाकर सुरंग में फंसे मजदूरों तक भेजे गए हैं।

बीकानेरवाला के चेयरमैन केदारनाथ अग्रवाल का निधन, दिल्ली से शुरू किया था अपना व्यावसायिक सफर, खड़ा किया बड़ा साम्राज्य

नईदिल्ली, 14 नवंबर [एजेंसी]।

मिठाई और नमकीन की प्रतिष्ठित चेन बीकानेरवाला के संस्थापक लाला केदारनाथ अग्रवाल का सोमवार को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। बीकानेरवाला के चेयरमैन अग्रवाल शुरुआत में पुरानी दिल्ली में भुजिया और रसगुल्ले टोकरी में रखकर बेचते थे।

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि काकाजी के नाम से प्रसिद्ध केदारनाथ अग्रवाल के निधन से एक युग का अंत हो गया है, जिसने स्वाद को समृद्ध किया है और अनगिनत लोगों के जीवन में अपनी जगह बनाई है। भारत में बीकानेरवाला की 60 से अधिक दुकानें हैं और यह अमेरिका, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों में भी मौजूद है। काकाजी का जाना सिर्फ बीकानेरवाला के लिए क्षति नहीं है। यह पाककला परिदृश्य में एक शून्य है। उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व हमेशा हमारी खानपान यात्रा का मार्गदर्शन करेगा। श्याम सुंदर अग्रवाल, समूह के प्रबंध निदेशककेदारनाथ अग्रवाल ने अपना व्यावसायिक सफर दिल्ली से शुरू किया था। उनका परिवार बीकानेर का रहने वाला था और 1905 से वहां उनके परिवार की मिठाई की दुकान थी। उस दुकान का नाम बीकानेर नमकीन भंडार था।

अग्रवाल बड़ी महत्वाकांक्षाओं के साथ पिछली सदी के पांचवें दशक में अपने भाई सत्यनारायण अग्रवाल के साथ दिल्ली आ गए । शुरुआत में दोनों भाई भुजिया और रसगुल्ले से भरी बाल्टियां लेकर पुरानी दिल्ली की सड़कों पर इन्हें बेचते थे। हालांकि, अग्रवाल बंधुओं की कड़ी मेहनत और बीकानेर के अनूठे स्वाद को जल्द ही दिल्ली के लोगों के बीच पहचान और स्वीकृति मिल गई। इसके बाद अग्रवाल बंधुओं ने दिल्ली के चांदनी चौक में दुकान शुरू की, जहां उन्होंने अपना पारिवारिक नुस्खा अपनाया, जिसे अब पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ाया जा रहा है।

इंद्र का अहंकार तोड़ने का माध्यम बनी गोवर्धन पूजा

गोवर्धन पूजा, जिसे अन्नकूट या अन्नकूट (जिसका अर्थ है भोजन का पहाड़) के नाम से भी जाना जाता है, एक हिंदू त्योहार है जो पहले चंद्र दिवस पर मनाया जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी , दिवाली का चौथा दिन । भक्त गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में कृष्ण को विभिन्न प्रकार के शाकाहारी भोजन तैयार करके चढ़ाते हैं । वैष्णवों के लिए , यह दिन भागवत पुराण की उस घटना की याद दिलाता है जब कृष्ण ने वृंदावन के ग्रामीणों को मूसलाधार बारिश से आश्रय प्रदान करने के लिए गोवर्धन पर्वत को उठाया था। यह घटना भगवान द्वारा उन भक्तों को सुरक्षा प्रदान करने का प्रतीक है जो उनकी शरण में आते हैं। भक्त एक अनुष्ठान स्मरण के रूप में और भगवान में शरण लेने के लिए अपने विश्वास को नवीनीकृत करने के लिए भगवान को भोजन का पहाड़ चढ़ाते हैं, जो रूपक रूप से गोवर्धन पहाड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। यह त्यौहार पूरे भारत और विदेशों में अधिकांश हिंदू संप्रदायों द्वारा मनाया जाता है।

गोवर्धन धारण किए हुए कृष्ण, एक ऐतिहासिक किंवदंती है जिसे कई प्रमुख हिंदू मंदिर परिसरों में दर्शाया गया है। यह पैनल होयसलेश्वर मंदिर, हलेबिदु कर्नाटक (लगभग 1150 ई.पू.) का है। पत्थर के खंड को कृष्ण कथा और उसके पीछे इंद्र को दिखाने के लिए तराशा गया था।

कृष्ण ने अपना अधिकांश बचपन ब्रज में बिताया , जहां भक्त कृष्ण के कई दिव्य और वीरतापूर्ण कारनामों को उनके बचपन के दोस्तों के साथ जोड़ते हैं। भागवत पुराण में वर्णित सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक , में कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत (गोवर्धन हिल) को उठाना शामिल है, जो कि ब्रज के मध्य में स्थित एक निचली पहाड़ी है। भागवत पुराण के अनुसार, गोवर्धन के करीब रहने वाले वनवासी चरवाहे बारिश और तूफान के देवता इंद्र को सम्मान देकर शरद ऋतु का

जश्न मनाते थे । कृष्ण को यह मंजूर नहीं था क्योंकि उनकी इच्छा थी कि ग्रामीण केवल एक पूर्ण परमात्मा की पूजा करें और किसी अन्य देवता और पत्थर, मूर्ति आदि की पूजा न करें। इंद्र इस सलाह से क्रोधित हो गए।

यद्यपि श्री कृष्ण नगर के लगभग सभी लोगों से छोटे थे, फिर भी उनके ज्ञान और अपार शक्ति के कारण सभी उनका सम्मान करते थे। अतः गोकुलवासी श्रीकृष्ण की बात से सहमत हो गये। ग्रामीणों की भक्ति अपने से हटकर कृष्ण की ओर देखकर इंद्र क्रोधित हो गए। इंद्र ने अपने अहंकारी क्रोध के फलस्वरूप शहर में तूफान और भारी बारिश शुरू करने का फैसला किया। लोगों को तूफानों से बचाने के लिए, श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया और शहर के सभी लोगों और मवेशियों को आश्रय प्रदान किया। 7-8 दिनों तक लगातार तूफानों के बाद, गोकुल के लोगों को अप्रभावित देखकर, इंद्र ने हार मान ली और तूफानों को रोक दिया। इसलिए इस दिन को एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है, जिसमें गिरयज्ञ तैयार करके गोवर्धन पर्वत के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है - पहाड़ को खाद्य पदार्थों और व्यंजनों की एक बड़ी पेशकश कृष्ण ने तब स्वयं एक पर्वत का

रूप धारण किया और ग्रामीणों के प्रसाद को स्वीकार किया।

अनुष्ठान एवं उत्सव

तब से गोवर्धन कृष्ण के भक्तों के लिए ब्रज में एक प्रमुख तीर्थ स्थल बन गया है। अन्नकूट के दिन, भक्त पहाड़ी की परिक्रमा करते हैं और पहाड़ पर भोजन चढ़ाते हैं - और यह ब्रज में चैतन्य महाप्रभु द्वारा स्थापित पुरानी परंपरा है । परिक्रमा में ग्यारह मील का रास्ता शामिल है, जिसके रास्ते में कई मंदिर हैं, जिसके सामने भक्त फूल और अन्य प्रसाद चढ़ाते हैं। अन्य लोग दंडवत (पूरे शरीर को साष्टांग प्रणाम) करके पर्वत की परिक्रमा कर सकते हैं जिसमें दस से बारह दिन लग सकते हैं।

परिवार गाय के गोबर से गोवर्धन हिल की एक छवि बनाते हैं, इसे लघु गाय की आकृतियों के साथ-साथ टहनियों के रूप में घास से सजाते हैं, जो पेड़ों और हरियाली का प्रतिनिधित्व करते हैं। अन्नकूट से पहले के दिनों में, आमतौर पर छप्पन भोग (छप्पन भोग) तैयार किए जाते हैं और शाम को चढ़ाए जाते हैं। गाय चराने वाली जाति का एक सदस्य इस अनुष्ठान को संपन्न करता है, एक गाय और एक बैल के साथ पहाड़ी की परिक्रमा करता है, जिसके बाद गाँव के परिवार भी आते हैं। वे पहाड़ी पर भोजन चढ़ाने के बाद पवित्र भोजन में भाग लेते हैं। इस उत्सव में अक्सर मथुरा के चौबे ब्राह्मणों सहित बड़ी भीड़ उमड़ती है ।

दिवाली के चौथे दिन अन्नकूट मनाया जाता है. इसलिए, अन्नकूट के आसपास के अनुष्ठान दिवाली के पांच दिनों के अनुष्ठानों से निकटता से जुड़े हुए हैं। जबकि दिवाली के पहले तीन दिन धन को पवित्र करने और भक्त के जीवन में अधिक धन को आमंत्रित करने के लिए प्रार्थना के दिन हैं, अन्नकूट का दिन कृष्ण उपकार के लिए आभार व्यक्त करने का दिन है।

गोवर्धन पूजा अन्नकूट के दौरान किया जाने वाला एक प्रमुख अनुष्ठान है। हालाँकि कुछ ग्रंथ गोवर्धन पूजा और अन्नकूट को पर्यायवाची मानते हैं, गोवर्धन पूजा दिन भर चलने वाले अन्नकूट उत्सव का एक खंड है।

गोवर्धन पूजा कैसे की जाती है इसके कई प्रकार हैं। अनुष्ठान के एक प्रकार में भगवान कृष्ण को गाय के गोबर से क्षैतिज स्थिति में बनाया जाता है। संरचना को पूरा करने के बाद, इसे मिट्टी के दीयों (दीपक या दीया), सींख (झाड़ू के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री) और मोमबत्तियों से सजाया जाता है। पूजा करने के बाद, भगवान की संरचना को भक्तों द्वारा खिलाया जाता है, और महिलाएं उपवास करती हैं। भगवान गोवर्धन से भी प्रार्थना की जाती है।

शाकाहारी भोजन की विशाल श्रृंखला पारंपरिक रूप से देवताओं के सामने स्तरों या सीढ़ियों पर व्यवस्थित की जाती है। आमतौर पर मिठाइयाँ देवताओं के सबसे निकट रखी जाती हैं। जैसे-जैसे स्तर नीचे आते हैं, अन्य खाद्य पदार्थ जैसे दाल , सब्जियाँ, दालें और तले हुए नमकीन भोजन की व्यवस्था की जाती है। पके हुए अनाज का एक टीला, गोवर्धन पर्वत का प्रतीक, केंद्र में रखा गया है। स्वामीनारायण शिखरबध्द मंदिरों में, साधु सुबह अन्नकूट की व्यवस्था शुरू करते हैं और दोपहर से पहले समाप्त करते हैं।

दुनिया भर में हिंदू सक्रिय रूप से दिवाली के एक भाग के रूप में अन्नकूट मनाते हैं और, अक्सर, दिवाली उत्सव के चौथे दिन की जाने वाली गोवर्धन पूजा के साथ अन्नकूट उत्सव मनाते हैं। हिंदू अन्नकूट को बच्चों में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रसारित करने, भगवान से क्षमा मांगने और भगवान के प्रति भक्ति व्यक्त करने के समय के रूप में भी देखते हैं। अन्नकूट को दीयों (छोटे तेल के लैंप) और रंगोली , रंगीन चावल, रंगीन रेत और/या फूलों की पंखुड़ियों से बनी जमीन पर सजावटी कला के साथ मनाया जाता है । अन्नकूट के दौरान कई अलग-अलग खाद्य पदार्थ, कभी-कभी सैकड़ों या हजारों की संख्या में, देवताओं को चढ़ाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, 2009 में भारत के मैसूर में इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण को 250 किलोग्राम भोजन चढ़ाया गया था । हालांकि अन्नकूट अक्सर भगवान कृष्ण से जुड़ा होता है, अन्य देवता भी केंद्र बिंदु होते हैं। भारत के मुंबई में श्री महालक्ष्मी मंदिर में, माताजी को 56 मिठाइयाँ और खाद्य पदार्थ चढ़ाए जाते हैं और फिर 500 से अधिक भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता

है।

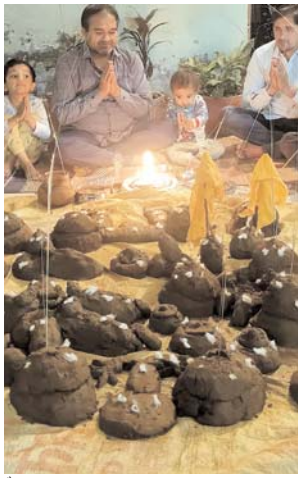

अन्नकूट उत्सव भी हर साल दुनिया भर में लगभग 3,850 बीएपीएस मंदिरों और केंद्रों पर एक दिवसीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है। त्योहार के दौरान, स्वामीनारायण भक्त स्वामीनारायण और कृष्ण सहित अन्य हिंदू देवताओं के लिए विभिन्न प्रकार के शाकाहारी भोजन तैयार करते हैं और उन्हें चढ़ाते हैं। बीएपीएस मंदिरों में अन्नकूट उत्सव अक्सर वर्ष का सबसे बड़ा उत्सव होता है। आगंतुक हिंदू आध्यात्मिकता के बारे में सीखते हैं, नए साल के लिए प्रार्थना करते हैं, प्रसाद या पवित्र भोजन ग्रहण करते हैं और अन्य भक्ति गतिविधियों में शामिल होते हैं। इंग्लैंड के लीसेस्टर में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर, जो हर साल अन्नकूट उत्सव का आयोजन करता है, के एक भक्त ने अन्नकूट को एक ऐसा मंच बताया है जहां आध्यात्मिक जिज्ञासु अपने जीवन में भगवान द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए अपनी सराहना की पुष्टि कर सकते हैं । ये सभाएँ समुदाय की भावना की पुष्टि करने के अवसर का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। 2004 में इंग्लैंड के नेसडेन में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में, 2000 में अन्नकूट समारोह के दौरान 1247 शाकाहारी व्यंजन इकट्ठे किए गए और देवताओं को चढ़ाए गए।

अब तक के सबसे बड़े अन्नकूट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड 27 अक्टूबर, 2019 (दिवाली) को गुजरात के बीएपीएस अटलद्र मंदिर में बनाया गया था। 3500 से अधिक शाकाहारी व्यंजनों के साथ।

सभी स्वामीनारायण मंदिरों में साधु और भक्त स्वामीनारायण के कवि परमहंस द्वारा रचित थाल - कीर्तन या भक्ति भजन गाते हैं। ये कीर्तन खाद्य पदार्थों का वर्णन करते हैं, और देवताओं से भोजन स्वीकार करने की प्रार्थना करते हैं। गायन लगभग एक घंटे तक चलता है, और उसके बाद एक भव्य आरती होती है । इसके बाद, भक्त पूजा करते हैं और देवताओं और चढ़ाए गए भोजन की परिक्रमा करते हैं। [स्व-प्रकाशित स्रोत] कुछ मंदिरों में, जब तक अन्नकूट प्रसाद देवताओं के सामने रहता है, तब तक दिन में कई बार आरती की जाती है। शाम को, भक्त अन्नकूट के कुछ हिस्सों को प्रसाद , पवित्र भोजन के रूप में लेते हैं, जिसे भगवान को अर्पित किया जाता है और उनकी दया के रूप में प्राप्त किया जाता है।

असंख्य लोगों को प्रकोप से बचाने में सहायक बना था गोवर्धन पर्वत

पांच दिनों की ये उत्सव रोशनी, रंगों, अनुष्ठानों और एकजुटता की खुशी से भरे हुए हैं। इस साल धनतेरस 10 नवंबर को मनाई जाएगी। दिवाली 12 नवंबर को है। दिवाली के एक दिन बाद गोवर्धन पूजा मनाई जाती है। गोवर्धन पूजा को लेकर कुछ खास जानकारी भी होनी जरुरी है।

धनतेरस के साथ ही पंचदिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत हो गई है। इस वर्ष भी देश भर में दिवाली बेहद धूमधाम और भव्यता के साथ मनाई जाएगी। दीवाली के मौके पर पूरा देश रौशनी में नहाया हुआ दिख रहा है। दिवाली के रोशनी से भरपूर और खुशियों के त्योहार का पूरे वर्ष भर लोग इंतजार करते है। दिवाली का त्योहार धनतेरस के साथ शुरू होता है जो भाई दूज तक जारी रहता है।

पांच दिनों की ये उत्सव रोशनी, रंगों, अनुष्ठानों और एकजुटता की खुशी से भरे हुए हैं। इस साल धनतेरस 10 नवंबर को मनाई जाएगी। दिवाली 12 नवंबर को है। दिवाली के एक दिन बाद गोवर्धन पूजा मनाई जाती है। गोवर्धन पूजा को लेकर कुछ खास जानकारी भी होनी जरुरी है जो कि दिवाली के अगले दिन मनाई जाती है। गोवर्धन पूजा को ही अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण के बाल रूप की खासतौर से पूजा की जाती है। इस वर्ष गोवर्धन पूजा 13 नवंबर को है, जो दिवाली के अगले दिन है।

गोवर्धन पूजा के संबंध में हिंदू पौराणिक कई कथाएं प्रचलित हैं, जिसके अनुसार भगवान कृष्ण ने एक बार लोगों को भगवान इंद्र की पूजा करने के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उनका मानना था कि गोवर्धन पर्वत गायों को चारा प्रदान करता है और हमें बारिश देने वाले भगवान इंद्र की बजाय उसकी पूजा की जानी चाहिए। उन्होंने अपनी मां यशोदा से कहा कि हमें बारिश कराना भगवान इंद्र की जिम्मेदारी है। इस पर भगवान इंद्र क्रोधित हो गए और उन्होंने इतनी बारिश की कि क्षेत्र में बाढ़ आ गई। हालाँकि, भगवान कृष्ण ने अपनी एक उंगली से गोवर्धन पर्वत को उठा लिया और सभी को पर्वत के नीचे आश्रय दिया और उन्हें बाढ़ से बचाया। इससे भगवान इंद्र आश्चर्यचकित हो गए और उन्होंने बारिश रोक दी। तभी से दिवाली के एक दिन बाद गोवर्धन पूजा मनाई जाती है।

जानें गोवर्धन पूजा का महत्व

गोवर्धन पूजा पृथ्वी की उदारता के प्रति अपना आभार व्यक्त करने का एक तरीका है और हम कैसे परस्पर जुड़ाव और एकता में रह सकते हैं। यह लोगों को दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान और सराहना करने और पर्यावरण को बचाने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस दिन भक्त शक्तिशाली गोवर्धन पर्वत का प्रतिनिधित्व करने के लिए गाय के गोबर के ढेर बनाते हैं। गोवर्धन पूजा के दौरान भजन का जाप भी किया जाता है।

शादी में दूल्हे जरूर अपनाएं ये मेकअप टिप्स, दुल्हन क्या सहेलियां भी हो जाएंगी लट्टू

इन दिनों शादी का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में हर दूल्हे और दुल्हन को अपनी शादी के दिन को खास बनाना चाहते हैं। क्योंकि सभी यह चाहते हैं कि अपनी शादी के दिन वह सबसे खूबसूरत और अलग दिखें। जिसके लिए महीनों पहले से तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। वहीं अगर बात लड़की होती है, तो हर लड़की अपनी शादी के लिए सबसे अच्छा पार्लर बुक करती है। जिससे कि उसका मेकअप अच्छा होने के साथ ही लांग-लास्टिक रह सके। लेकिन कई बार लड़के इन बातों का ख्याल नहीं रखते हैं।

अधिकतर लड़कों को यह पता नहीं होता है कि शादी के दिन उनको भी मेकअप करवाना होता है। जिससे कि वह भी ब्राइडल को टक्कर दे सकें और अपनी लाइफ के सबसे खास दिन पर सबसे स्मार्ट दिखें। हांलाकि पार्लर जाकर लड़कों को मेकअप करना पसंद भी नहीं होता। लेकिन अगर आपको पार्लर जाकर मेकअप करना पसंद नहीं है तो आप घर पर भी मेकअप कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर ही मेकअप के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनको फॉलो कर आप अपने स्पेशल दिन को खास बना सकते हैं। जिससे कि आप अपनी शादी के दिन स्मार्ट और हैंडसम दिखें।

भारत की संसद में गूंजती है आपकी प्रत्याशी रेणुका सिंह के जनहितों की मांग : राजनाथ सिंह

कोरिया सोनहत। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 नवंबर शनिवार को कोरिया जिले के सोनहत ग्राम सलगवांकला पहुँचे। हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज मैं यहां आया हूं तो रेणुका सिंह के लिए आया हूं।

भारतीय जनता पार्टी ने इन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर यहां प्रत्याशी बनाया है?। आपके बीच यह चुनाव मैदान में है। आप सभी का आशीर्वाद इन्हें प्राप्त होगा या मुझे पक्का विश्वास है। छत्तीसगढ़ के पहले चरण के चुनाव में 20 विधानसभा सीटों में दो तिहाई सीट पर भाजपा को जीत मिल रही है यह सारी सर्वेक्षण एजेंसियां कह रही हैं। यह शुरुआत बहुत अच्छी हुई है और मैं आज आपसे यही अपील करने आया हूं इस अच्छी शुरुआत को हम ऐतिहासिक विजय में बदल डालेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार छत्तीसगढ़ में बनाएंगे। अटल जी ने बहुत हसरत के साथ आज से 25 वर्षों पहले छत्तीसगढ़ का गठन किया था। उनकी इच्छा थी कि छत्तीसगढ़ जब तक मध्य प्रदेश का भाग रहेगा जहां अधिकांश गरीब वर्ग रहते हैं इसका पूर्ण विकास संभव नहीं है। इसे अलग राज्य का दर्जा देना होगा। 15 साल यहां भाजपा की सरकार थी और बीच में 5 वर्षों के लिए कांग्रेस की सरकार आई। 5 वर्षों की कांग्रेस सरकार ने क्या किया है और क्या नहीं किया है यह हमसे बेहतर आप जानते हैं। लेकिन जिस उम्मीद से अपने कांग्रेस की सरकार यहां बनाई थी। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आपके दावे और विश्वास की कसौटी पर यह कांग्रेस की सरकार खरी नहीं उतरी। मैं देख रहा हूं कि छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर है। हत्या, मारपीट, जघन्य अपराध बढ़े हैं। मानव तस्करी हो रही है। नशे का कारोबार बढ़ा है और तमाम छत्तीसगढ़िया अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मैं यही कहने आया हूं कि आप सब यहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बना दीजिए। कुछ ही वर्षों के अंदर आप देखेंगे किसी की यह हिम्मत नहीं होगी कि किसी मां बहन के ऊपर उंगली उठा सके। यहां प्राकृतिक संपदा है, छत्तीसगढ़ बहुत ही सुंदर राज्य है। फिर भी यहां उद्योग धंधे और कारोबार नहीं पनप पा रहे हैं। मजबूरी में यहां के लोगों को बाहर कमाने के लिए जाना पड़ रहा है। कांग्रेस की सरकार ने यहां ऐसे ही हालात पैदा कर दिए हैं। भ्रष्टाचार का बुरा हाल है। 30 टका तो सीधे ऊपर जाता है और जो बचता है वह नीचे बंदर बांट हो जाता है। यह भूखी भ्रष्ट सरकार जीवन में आपने नहीं देखा होगा। पिछले 5 सालों में सट्टा बहुत बड़ा धंधा बन गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री के ऊपर भी सट्टे के घोटाले के आरोप है। इतना बड़ा आरोप लगने के बाद भी सीएम भूपेश बघेल अपनी कुर्सी पर बने हुए हैं। जांच एजेंसियां गंभीरता के साथ मामले की जांच कर रही हैं और मैं आपको यहां से यकीन दिला कर जाना चाहता हूं जो अपराधी पाया जाएगा उसका स्थान घर नही सरकार की जेल होगी। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। जांच एजेंसियां तो अपना काम करेंगे ही लेकिन आज हम सभी जनता की अदालत में खड़े हैं। अभी यदि कोई फैसला कर सकता है तो आप ही कर सकते हैं। सुशासन नाम की चीज अब छत्तीसगढ़ में नहीं बची है, सुशासन के नाम पर यह सरकार जीरो है, विकास के मामले में यह सरकार जीरो है, फिर भी कांग्रेस के लोग कहते हैं कि हम हीरो हैं, कांग्रेस ने पूरे छत्तीसगढ़ को एटीएम पेटीएम बना दिया है, लोग बताते हैं कि कांग्रेस की आधी फंडिंग छत्तीसगढ़ से होती है। घोटाले की तो लंबी लिस्ट है। राशन घोटाला, शराब घोटाला, और कांग्रेस का सबसे पसंदीदा घोटाला कोयला घोटाला। जहां कोयला इनको दिखता है यह अपना हाथ काला कर लेते हैं। कोयले के साथ इनका याराना है। कांग्रेस की सरकारी पहले दिल्ली में भी थी। उस समय भी बहुत बड़ा कोयला घोटाला हुआ था जिसमें मंत्रियों को जेल की हवा खानी पड़ी थी। कांग्रेस की सरकार ने जो भी घोषणाएं की थी वह पूरी नहीं हुई। जो धान की खरीदी हुई है वह पूरी तरीके से नहीं हुई है यह मैं जानता हूं। ईमानदारी से नहीं हुई है। लेकिन जो भी हुई है उसमें एक लाख करोड रुपए किसी ने खर्च किए हैं तो वह मोदी हैं। मोदी जी ने कहा था छत्तीसगढ़ में एक भी परिवार शेष नहीं बचना चाहिए जो कच्चे घरों में रहे। मैं आपसे वादा करता हूं कि जब हमारी सरकार बन जाएगी तब छत्तीसगढ़ में कोई भी ऐसा परिवार नहीं बचेगा जिसके सर पर पक्का छत ना हो। पीएम आवास योजना अंतर्गत हमने 18 लाख घर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ की सरकार को रुपए दिए थे लेकिन सरकार ने घर नहीं बनवाए। गरीबों के प्रति ऐसी क्रूरता मैंने किसी मुख्यमंत्री में नहीं देखी। हमारे प्रधानमंत्री ने यह फैसला किया कि हम हिंदुस्तान में एक भी घर ऐसा नहीं बचने देंगे जहां नल ना पहुंच जाए और उस नल से जल न मिलने लग जाए। दूसरे राज्यों में आप देखेंगे जहां भाजपा की सरकार है हर घर तक नल कनेक्शन लग चुका है। लेकिन छत्तीसगढ़ में आज भी लोग दूर दराज से पानी लेकर अपनी प्यास बुझाने को मजबूर है। हमारी सरकार बना दीजिए छत्तीसगढ़ का एक भी घर ऐसा नहीं बचेगा जहां नल ना पहुंच जाए और नल से जल ना मिले।केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संबोधन से पहले कोरिया जिला भाजपा अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल और एम सी बी जिला अध्यक्ष अनिल जायसवाल ,चतरा सांसद सुनील सिंह,सहित केंद्रीय मंत्री व भरतपुर सोनहत विधानसभा की भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह के द्वारा महामाला से मंच पर राजनाथ सिंह का स्वागत किया गया।

तत्पश्चात रेणुका सिंह के द्वारा भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को आमसभा से छत्तीसगढ़ की भ्रष्टाचारी भूपेश सरकार की गौठान घोटाला,शराब घोटाला,कोयला घोटाला,धान घोटाला,पीएससी में फर्जीवाड़ा सहित महादेव ऐप के माध्यम से छत्तीसगढ़ की आमजनता के पैसे की लूट पर कलई खोलते हुए मतदाताओं को अवगत कराया गया है। आमसभा से रेणुका सिंह ने मोदी की गारंटी 2023 घोषणा पत्र के सभी घोषणाओं को बताते हुए अपने पक्ष में समर्थन की अपील किया और आगामी 17 नवंबर को होने वाले मतदान में अपने पक्ष कमल फूल पर वोट करने मतदाताओं से आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह की आमसभा में मुख्य रूप से कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल एम सी बी जिला अध्यक्ष अनिल केशरवानी,भरतपुर सोनहत विधानसभा प्रत्याशी रेणुका सिंह, चतरा सांसद सुनील सिंह,बिहार राज्य के पूर्व सह संगठन मंत्री कामेश्वर प्रसाद सिंह,पूर्व विधायक चंपा देवी पावले,कोरिया जिला भाजपा उपाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,एम सी बी और कोरिया जिले के भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में मतदाता उपस्थित रहे।

चुनावी सभा में मुख्यमंत्री बघेल ने कोरिया के साथ रायगढ़ को संभाग बनाने का किया वादा

सरकार बनते ही कर्जा माफ की दी गारंटी

बैकुंठपुर/कोरिया। विधानसभा बैकुंठपुर के पैलेस के पीछे ग्राउंड में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रात्रि 7 बजे कांग्रेस प्रत्याशी अम्बिका सिंहदेव के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित किया ।उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछले चुनाव में रमन की गारंटी नही चला इस बार मोदी की गारंटी ले कर आये हैं जो कि जुमला है हमने पिछले चुनाव में जो वादा किया उसे सरकार बनते ही निभाया पहले चरण का मतदान हो चुका है दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को जिसमे आप सभी बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले पहले चरण के चुनाव में भाजपा बुरी तरह से हार रही है।

इस बार पूरे छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव के जैसे इस बार भी कांग्रेस के पक्ष में लहर है। लेकिन दुसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी सिर्फ ठगने की काम करती है । वो जितने भी वादा किए सभी से मुकर गए। आदिवासियों को जर्सी गाय देने की बात की थी वो भी नही दिया । उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी के प्रदेश चेहरे पर लोग विश्वास करना छोड़ दिया तो मोदी जी अपने नाम का गारंटी दे रहे हैं।

मोदी जी 15 लाख देने का बात कही थी लेकिन आज तक किसी के खाते में कुछ भी नही आया। मोदी ने कालाधन वापस करूँगा कहा था, लेकिन काला धन नही आया ।महामारी में कोरोना समाप्त करने के बजाय ताली बजवाया, थाली बजवाया, उसकी कोई गारंटी नही है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर लोगों को भरोसा है। उन्होंने कहा कि कॉन्ग्रेस की सरकार बनते ही किसानों का कर्जा माफ होगा, 3200 रुपये क्विंटल में धान खरीदी करेंगे। साथ ही महिला समूह के बहनों द्वारा लिया गया कर्जा माफ होगा, 200 यूनिट तक का बिजली माफ होगा , 500 रूपये में गैस सिलिंडर मिलेगा, तेंदूपत्ता में 6 हजार से बढ़ाकर 10 हजार दिया जायेगा, केंद्र सरकार मदद करे या ना करें छग में 17 लाख 50 हजार आवास बनाएंगे, 10 लाख तक मुफ्त ईलाज होगा, डॉ खूबचन्द बघेल योजना के तहत 10 लाख व 25 लाख तक विशेष योजना के तहत दुर्घटना में सरकार मुफ्त इलाज कराएगी, स्वामी आत्मनांद अंग्रेजी स्कूल खोला है उसी के तर्ज पर सभी हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल को बनाया जाएगा, कॉलेज आने जाने वाले छात्रों को 50 किलोमीटर से अधिक दूरी जाने वाले छात्रों को किराया देने की जरूरत नही हैं । सभी प्रकार की कॉलेज उसमें एडमिशन व टयूशन फीस नही लगेगा।

सरकार बनते ही जाती जनगणना भी कराई जाएगी। 50 हजार लोन का सब्सिडी दिया जाएगा । महिलाओं के लिए दीपावली के अवसर पर गृह लक्ष्मी योजना के तहत बिना भेदभाव के हर महिला को प्रत्येक साल 15 हजार दिया जाएगा। उन्होंने कहा हमारी द्वारा योजना में फर्म नही भरवाया जा रहा लेकिन भाजपा वाले फार्म भरवा रहे है । उन्होंने कहा कि भाजपा ठगने वाली सरकार है पर कांग्रेस भरोसा लायक सरकार है। वही सरकार बनते ही कोरिया के साथ रायगढ़ को भी संभाग बनाने का वादा किया।

पुलिस अधीक्षक ने नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों का किया उत्साहर्वधन

सूरजपुर। सब जुनियर एवं सीनियर थांग ता नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे जिले के खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक ने बधाई दी। आगामी 24 से 26 नवम्बर 2023 तक रांची झारखण्ड में आयोजित होने वाले सब जुनियर एवं सिनियर थांग ता प्रतियोगिता में सम्मिलित होने जा रहे खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने प्रोत्साहन राशि प्रदाय कर बधाई देते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन करने कहा। प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर चर्चा कर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान खिलाड़ी डॉली कुजूर, संगीता, निगिता, चंदा, कुंवर, आलमगीर, चंदन, सोनू व हेमन्त राजवाड़े मौजूद रहे।

संवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़ी निगाह रखने के दिए निर्देश

सूरजपुर। पुलिस ऑब्जर्वर विष्णुकांत व पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने गुरूवार को पुलिस अधिकारियों और थाना-चौकी प्रभारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस ऑब्जर्वर को चुनाव के दौरान किए जाने वाले सुरक्षा प्रबंधों की विस्तार से जानकारी दी।

पुलिस ऑबजर्वर ने संवेदनशील बूथ और उन पर किए जाने वाले सुरक्षा प्रबंधों तथा जिले की सीमा पर लगे पुलिस नाकों तथा चुनाव के दौरान व्यापक रूप से सुरक्षा के इंतजाम को लेकर विस्तार से चर्चा की। शांतीपूर्ण चुनाव को लेकर जिले के बार्डर से लगने वाले थानों व संवेदनशील सहित सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर रणनीति के बारे में चर्चा की और कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान पुलिस ऑब्जर्वर ने पुलिस अधिकारियों को कहा कि चुनाव में बाधा उत्पन्न करने वालों की पहचान करते हुए सख्त कार्यवाही की जाए, पूरी निष्पक्षता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करें, मतदान केन्द्र व क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग और भ्रमण करने तथा प्रत्येक शिकायत पर फौरन एक्शन लेने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए बनाए गए सेक्टर पुलिस मोबाइल और क्यूआरटी वाहनों की उपलब्धता को जाना और आचार संहिता के उल्लघंन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने निष्पक्षता व शांतीपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराने के लिए अर्धसैनिक बलों को आगामी 1-2 दिनों में पहुंचने की जानकारी देते हुए कहा कि बाहर से आने फोर्स को पूरे जिलेभर में तैनात किया जायेगा जो स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षा प्रबंधों की जिम्मेदारी संभालेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सेक्टर ऑफिसर और चुनाव से जुड़े अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने, बाहर से आने फोर्स के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के साथ फ्लेग मार्च करने के निर्देश दिए। बैठक में एएसपी शोभराज अग्रवाल, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, डीएसपी नंदिनी ठाकुर, महालक्ष्मी कुलदीप, प्रशिक्षु डीएसपी स्निग्धा सलामे, थाना-चौकी प्रभारी, चुनाव सेल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर रक्षा मंत्री ने भूपेश सरकार को घेरा कहा-भ्रष्टाचारियों को भेजेंगे जेल

अंबिकापुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार पर जमकर निशाना साधा है। शनिवार को सरगुजा जिले के सीतापुर में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच चल रही है। कुछ ही दिन में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारी छत्तीसगढ़ का हो या देश के किसी भी कोने का, आरोप प्रमाणित होने के बाद किसी भी भ्रष्टाचारी का घर उसका घर नहीं होगा। भाजपा भ्रष्टाचार के विरुद्ध है।भ्रष्टाचारियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हरेक भ्रष्टाचारी को जेल भेजा जाएगा। छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के चुनाव क्षेत्र में भाजपा ने पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो को मैदान में उतारा है। उम्मीदवार की जीत के लिए भाजपा जोर लगा रही है।

विस्फोटक परिवहन में नियमों का उल्लंघन, ट्रक जब्त

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में विस्फोटकों के परिवहन में नियमों की अनदेखी की जा रही है। चुनाव के दौरान पुलिस ने जब जांच अभियान चलाया तो एक पखवाड़े के भीतर परिवहन शर्तों के उल्लंघन पर तीन ट्रक पकड़ में आए हैं। इस बार पुलिस ने विस्फोटक परिवहन शर्तो के उल्लंघन करने पर ट्रक एवं भारी मात्रा में विस्पोटक सामग्री जब्त किया है। ट्रक चालक आरोपित सुरेश चंद चौधरी (28) निवासी किरयपुरा वार्ड क्रमांक एक जिला भीलवाड़ा राजस्थान एवं राजकुमार सेन (25) निवासी सुलखनीया थाना परीहारा जिला चुरू राजस्थान के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत किया है। कुल विस्फोटक सामग्री 4,240 किलोग्राम है।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर डा लाल उमेद सिंह के निर्देश पर अंतरराज्यीय सीमा पर जांच बेरियर स्थापित किया गया है।मध्यप्रदेश - छत्तीसगढ़ सीमा में बलंगी पुलिस चौकी के ग्राम तुगवां चेक पोस्ट में चौकी प्रभारी बलंगी एवं एसएसटी व जीएसटी टीम के साथ वाहन चेकिंग के दौरान मध्यप्रदेश की ओर से आ रहे भारत बेंज ट्रक क्रमांक आरजे 06 जीडी 2810 को रोका गया। जांच में विस्फोटक पदार्थ पाया गया। वाहन चालक को वाहन में लोड विस्फोटक सामग्री का दस्तावेज, रूट चार्ट, विधिवत् सूचना एवं वाहन के दस्तावेज तथा स्वयं का लायसेंस प्रस्तुत करने नोटिस देने पर परिवहन शर्तों का उल्लंघन पाया गया। विस्फोटक से भरी ट्रक को हनुमना रीवा, मध्यप्रदेश से सीधी सिंगरौली, सुरजपुर, कोरबा, रायगढ़ होते देवनारायण ड्रीलिंग एवं ब्लास्टिंग बलौदा जांजगीर लेकर जा रहा था। निर्धारित रूट चार्ट में जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ से परिवहन करने के संबंध में अनुमति नहीं पाया गया। नक्सल प्रभावित जिला बलरामपुर में विस्फोटकों के नक्सलियों के कब्जे में चले जाने से मानव जीवन को संकटापन्न उत्पन्न होने की संभावना थी।यही कारण है कि पुलिस ने विस्फोटक लोड ट्रक को जब्त कर चालक व क्लीनर के विरुद्ध कार्रवाई की है। इसके पहले भी बलरामपुर जिले में विस्फोटक से लदे दो ट्रक जप्त किए जा चुके हैं। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

अंबिकापुर के स्वच्छता चेतना पार्क के प्लास्टिक यूनिट में भीषण आग से सब कुछ तबाह

अंबिकापुर। दीपावली की रात अंबिकापुर में बड़ी घटना हो गई। राष्ट्रीय स्तर पर ख्यात प्राप्त अंबिकापुर के स्वच्छता चेतना पार्क के प्लास्टिक यूनिट के हिस्से में भीषण आग लग गई। प्लास्टिक और थर्मोकॉल के कारण आग तेजी से फैली। मणिपुर पुलिस चौकी के नजदीक तक आग की लपटें पहुंचने के कारण सारे दस्तावेजों को बाहर निकालना पड़ा। छह घण्टे से अधिक समय की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है लेकिन प्लास्टिक ,फोम, थर्मोकॉल होने के कारण अभी भी धुआं निकल रहा है।

पुलिस और प्रशासन की सूझबूझ से जनहानि नहीं हुई। यहां सोने वाले कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। स्वच्छता चेतना पार्क के पीछे बस्ती में रहने वाले लोगों को भी सतर्क कर दिया गया था।आग लगने की यह घटना मध्यरात्रि लगभग 12 बजे हुई। पटाखे की चिंगारी से सम्भवत: आग लगी। देखते ही देखते आग तेजी से फ़ैली। कूड़ा करकट और प्लास्टिक होने के कारण आग का फैलाव तेजी से हुआ। बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित स्वच्छता चेतना पार्क में आग लगने की खबर से पुलिस व प्रशासन में अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया। रात्रि गस्त पर निकले एसपी सुनील शर्मा खुद मौके पर पहुंच गए थे। दमकल की वाहनों के अलावा पुलिस के पास उपलब्ध संसाधनों से लगातार पानी का छिड़काव किया जाता रहा। पुलिस का 100 से अधिक अतिरिक्त बल, आपदा प्रबंधन से जुड़े नगर सेना के अधिकारी-जवान, फायर ब्रिगेड, नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी लगातार आग बुझाने के प्रयास में लगे रहे। सुबह छह बजे काफी हद तक आग पर काबू पा लिया गया था लेकिन तेज गहरा धुआं अभी भी निकल रहा है। आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है। इसके कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने बताया कि जनहानि की कोई घटना नहीं हुई है। सभी को सतर्क कर दिया गया था। यहां काम करने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था। सुरक्षा कारणों से मणिपुर थाना के दस्तावेज बाहर निकाल लिए गए थे। आग उसके पीछे तक पहुंच चुकी थी। बता दें कि वर्षों पुराने कचरे को ढेर को नगर निगम ने स्वच्छता चेतना पार्क के रूप में विकसित कर राष्ट्रीय स्तर पर ख्यात अर्जित की है। इसी पार्क परिसर में कचरा प्रबंधन से जुड़ी अलग-अलग इकाइयां संचालित है। इसमें से एक यूनिट प्लास्टिक और थर्मकोल की भी थी। इसके दाने बनाने का काम भी यहां होता था। कचरा छंटाई के साथ इसकी उपयोगिता सुनिश्चत करने अलग-अलग मशीनें भी लगी थी। ये सारी यूनिटें जल चुकी है। घटना से नगर निगम प्रशासन को बड़ी आर्थिक क्षति होने के साथ ऐसा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। स्वच्छता चेतना पार्क, राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बना चुका था। इससे स्वच्छता सर्वेक्षण में भी अंबिकापुर को फायदा मिलता था। बाहर से आने वाले नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के लिये भी यह एक आदर्श था। अब इसका बड़ा हिस्सा तबाह हो चुका है। नए सिरे से विकसित करना भी आसान नहीं होगा।

प्रिंटिंग प्रेसों में छापा

अंबिकापुर। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में फ्लाइंग स्कवाड दल सक्रिय हैं। शनिवार को अम्बिकापुर शहर में प्रिटिंग प्रेसों में सघन जांच करते हुए अलग अलग फ्लाइंग स्कवाड दल द्वारा कार्रवाई की गई। गोयल प्रिंटर्स से बिना अनुज्ञा के प्रत्याशियों के छपे नकली मतपत्र और महतारी वंदन योजना में पंजीयन हेतु फार्म जब्त किया गया। इसी तरह आकृति प्रिंटर्स चोपड़ापारा में बताई गई संख्या से ज्यादा संख्या में छपी प्रचार सामग्री प्राप्त हुई। सभी में जब्ती की कार्रवाई की गई है। इसी तरह बिना अनुमति के प्रचार सामग्री का परिवहन पर भी कार्रवाई की गई। शनिवार दोपहर गोयल प्रिंटर्स बाबूपारा के संचालक के स्वयं के मकान पर संचालित गोयल प्रिंटर्स का औचक निरीक्षण एफएसटी दल द्वारा किया गया। जहां मौके पर बिना अभ्यर्थी या अभिकर्ता के छपाई अनुज्ञा हस्ताक्षर के पंपलेट पाए गए । इनमें सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी प्रियंका का झाडूछाप के पांच हजार पाम्पलेट, विधानसभा क्षेत्र ण्ड्रा के आप दल के प्रत्याशी अलेक्जेण्डर केरकेट्टा का झाडूछाप के पांच ह जार पाम्पलेट, जो एक ही पृष्ट में जुड़ा हुआ नकली मतपत्र था।

जागरूकता की रोशनी से जगमगा उठा तातापानी परिसर

अंबिकापुर। विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले के ऐतिहासिक स्थल तातापानी स्थित तालाब के किनारे छह हजार दीप प्रज्वलित कर मतदाता जन जागरूकता दीपावली मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रिमिजियुस एक्का, पुलिस अधीक्षक डा लाल उमेद सिंह एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी व स्वीप नोडल रेना जमील उपस्थित रहे।

इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और समूह की महिलाओं ने आगामी निर्वाचन 17 नवंबर को शत-प्रतिशत मतदान करने और मतदान के लिए जनजागरण का संकल्प लिया। दीप के प्रकाश से पूरा तातापानी परिसर प्रांगण दीप उत्सव सा जगमगा उठा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रिमिजियुस एक्का ने तातापानी में दीप प्रज्वलित किया और कहा की जिले के सभी मतदाता दीपोत्सव के साथ लोकतंत्र के महोत्सव में भी पुरे उल्लास के साथ भागीदारी का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारा जिला छत्तीसगढ़ के सिरमौर पर स्थित है उसी प्रकार मतदान के मामले में भी अग्रणी रहें। कलेक्टर ने कहा की जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा चुनाव से जुड़ी सारी तैयारियां पूरी मुस्तैदी के साथ की जा रही है ताकि जिले का प्रत्येक मतदाता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। उन्होंने कहा की प्रत्येक मतदाता स्वयं मतदान करें और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में छोड़हूँ बूता काम करहूँ पहिले मतदान की थीम पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे रैली रंगोली, मेंहदी, लेखन, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित कर मतदाताओं को जाति, धर्म से उठकर बिना किसी प्रलोभन के चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी तारतम्य में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत दीवाली के पूर्व संध्या में जिले के ऐतिहासिक स्थल तातापानी में दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम रखा गया और शत-प्रतिशत मतदान हेतु लोगों को प्रेरित किया गया। जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी और समूह की महिलाएं और स्थानीय निवासी बड़े उत्साह के साथ तातापानी परिसर में एकत्र हुए और उन्होंने मिलकर दीप दान किया और फूलों की रंगोली से चुनई-चिरई बनाकर दीपों की उजास से 17 नवम्बर को मतदान करने का संदेश देकर लोकतांत्रिक परम्परा का निर्वहन करने की शपथ ली।

नाबालिग की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या

रायपुर। राजधानी रायपुर में दीवाली के दिन एक हत्या की वारदात सामने आई है। यहां जुआ खेलने के विवाद में बदमाशों ने एक 17 साल के युवक की लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

चुनावी समर में डटे 51 प्रत्याशियों के सामने हर मतदाता तक पहुंचने की चुनौती

बुधवार की शाम 5 बजे थम जाएगा चुनाव प्रचार

1081 मतदान केंद्र जिले में

चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने जिले भर में 1081 मतदान केंद्र बनाए हैं। इनमें सीमित संख्या संवेदनशील केंद्रों की है। इन स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

कोरबा। दूसरे चरण में कोरबा जिले की चार विधानसभा सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा। इससे पहले बुधवार यानि 15 नवंबर की शाम 5 बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा। इन चार सीटों के लिए कुल 51 प्रत्याशी मैदान में डटे हुए हैं जिनके सामने हर मतदाता तक किसी भी तरीके से पहुंचने की चुनौती है। प्रत्याशियों के साथ-साथ उनके लिए काम करने वाला वर्ग संदेश भिजवाने में लगा हुआ है।

जिले में सर्वाधिक 20 प्रत्याशी शहरी विधानसभा कोरबा में शामिल हैं। जबकि कटघोरा विधानसभा में प्रत्याशियों की संख्या 15 है। पाली तानाखार और रामपुर विधानसभा क्षेत्र से 9 लोग उम्मीदवार मैदान में उपस्थित हैं। इस तरह से कुल 51 प्रत्याशियों के भाग्य का निर्धारण जिले के 9 लाख 18 हजार 84 मतदाता करेंगे। इनमें से पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की संख्या ज्यादा है। कोरबा विधानसभा में कांग्रेस के जयसिंह अग्रवाल, भाजपा के लखनलाल देवांगन, आम आदमी पार्टी के इंजीनियर विशाल केलकर और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राजकुमार दुबे मुख्य प्रत्याशी हैं। इनके अलावा क्षेत्रीय दल और निर्दलीय से 16 प्रत्याशी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। कटघोरा में कांग्रेस के पुरुषोत्तम कंवर और भाजपा के प्रेमचंद पटेल के बीच मुख्य रूप से मुकाबले की स्थिति बनी हुई है। भूविस्थापितों की राजनीति करने के साथ पहली बार चुनावी पीच पर आए छत्तीसगढ़ जोहार पार्टी के सुरेंद्र सिंह राठौर भी मुकाबले को रोचक बनाने में लगे हुए हैं। इनके अलावा 12 अन्य प्रत्याशी अपने पाले के वोट हासिल करने के लिए प्रयास में जुटे हुए हैं। वहीं रामपुर में पूर्व गृहमंत्री और भाजपा प्रत्याशी ननकीराम कंवर के सामने कांग्रेस के फूलसिंह राठिया और बसपा के जगतराम राठिया बने हुए हैं। उधर पाली तानाखार में पूर्व विधायक और भाजपा प्रत्याशी रामदयाल उइके के सामने गोंगपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम व कांग्रेस की दुलेश्वरी सिदार मुकाबले में हैं। चुनावी शोरगुल थमने से पहले प्रत्याशियों ने अपने दौरों की संख्या तेज कर दी है। विधानसभा क्षेत्र के हर कोने तक पहुंचने और मतदाताओं से संपर्क बनाने के साथ समर्थन जुटाने की इनकी कोशिशें जारी है जो हर हाल में मतदान संपन्न होने तक चलती रहेंगी। हर प्रत्याशी के साथ-साथ उने रणनीतिक प्रबंधक से लेकर जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या इस बात को लेकर प्रयत्नशील है कि अपनी नीति, मुद्दे और आसपास में जो कुछ चल रहा है उस आधार पर लोगों का विश्वास जीता जा सके। 15 नवंबर की शाम 5 बजते ही हर तरफ चुनावी भोंपू बंद हो जाएगा और इसके बाद केवल 24 घंटे प्रत्याशियों को पूरी मेहनत यहां-वहां जनसंपर्क करने में लगानी होगी।

बड़े नेताओं का सहारा

विधानसभा चुनाव को राजनीतिक दल के साथ-साथ उनके प्रत्याशी काफी गंभीरता से ले रहे हैं। दरअसल इसके साथ वर्चस्व कायम रखने और इलाके में लोगों के भरोसे को लोकसभा चुनाव के लायक मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती भी है। शायद यही कारण है कि भाजपा ने चुनावी दौर में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सभा कराई है तो अंतिम दिवस गृहमंत्री अमित शाह ओपन थिएटर में सभा लेंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री और अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी का दौरा तय था लेकिन तकनीकी कारणों से वह रद्द हो गया। पूरे चुनावी दौर में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व प्रदेश प्रभारी शैलजा का आगमन हुआ जिन्होंने लोगों के समक्ष अपनी बात रखी। आम आदमी पार्टी व अन्य दलों ने इस मामले में बहुत ज्यादा रूचि नहीं ली।

चर्च में महिला से धक्का-मुक्की, दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस कर रही जांच

कोरबा। एसईसीएल कालोनी मानिकपुर क्षेत्र स्थित एक चर्च में हाल में ही महिला के साथ वहां के पास्टर के द्वारा धक्का-मुक्की करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। महिला ने चौकी में विस्तृत शिकायत की है। इसके साथ ही अब दूसरे पक्ष ने भी अपनी सफाई दी है। पुलिस का कहना है कि तथ्यों के आधार पर शिकायतों की जांच की जा रही है।

घटना पिछले दिनों हुई जब चर्च में आराधना करने के लिए संबंधित अनुयायी जुटे हुए थे। सामान्य तौर पर किसी भी समुदाय के धार्मिक स्थलों पर चुनाव प्रचार करने को प्रतिबंधित किया गया है और निर्वाचन आयोग ने इस बारे में पहले से ही व्यवस्था दे रखी है। सभी को इसका पालन करना ही है। खबर के मुताबिक हाल में ही हुई घटना के दौरान यहां कई तरह की बातें हुई जिस पर मामला बिगड़ गया। इस चर्च में लंबे समय से आ रही महिला सुनीता फ्रांसीस (चौहान) ने पुलिस को दी गई शिकायत में इस बात का उल्लेख किया कि किसी बात को लेकर वहां के मुखिया ने उसके साथ धक्का-मुक्की की और अत्यंत अभद्र व्यवहार किया। यहां तक कि उसे दोबारा नहीं घुसने देने के बारे में भी कहा गया। इस घटना से हतप्रभ महिला ने परिजनों को सूचित करने के बाद पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इस मामले के गर्म होने पर चर्च का काम देखने वाले विक्टर मेनन के द्वारा भी लिखित शिकायत करते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया गया। इसमें कहा गया है कि घटना दिवस को चर्च परिसर में लोग आराधना कर रहे थे तभी संबंधित महिला ने अपने ससुर को चुनाव में समर्थन देने की मांग की जो विधानसभा में प्रत्याशी हैं। इसी बात को लेकर पंगा हुआ और उसे यह सब नहीं करने के लिए कहा गया। प्रकरण को दूसरे तरीके से पेश करने की कोशिश की जा रही है। मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि दोनों पक्ष की शिकायत हमारे पास आई है। सत्यता क्या है इसकी जांच की जाएगी और फिर आगे कार्रवाई तय होगी।

लक्ष्मणबन में मारपीट, तीन की तलाश

कोरबा। कोतवाली थाना क्षेत्र के लक्ष्मणबन इलाके में पिछली शाम मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने तीन संदिग्धों की तलाश जारी रखी है जबकि दो को गिरफ्तार कर लिया है। मामले को लेकर इस तरह का हल्ला हुआ था कि एक युवक नहर में कूद गया है, पुलिस ने इस बात से इंकार किया है। खबर के मुताबिक कांग्रेस के कुछ लोग चुनाव प्रचार के लिए वार्ड नंबर 11 नई बस्ती क्षेत्र में घूम रहे थे। इसी दरम्यान किसी बात को लेकर उन लोगों का विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि आनंद और प्रमोद श्रीवास ने किसी तरह खुद को बचाया जबकि सुनीता कर्ष व अन्य लोगों पर हमले हो गए। दावा किया जा रहा है कि जिन लोगों ने मारपीट की वे शराब के नशे में थे। घटना की और कोई वजह साफ तौर पर सामने नहीं आई है। मामले की जानकारी होने पर यहां आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी होने पर कोतवाली पुलिस यहां पहुंची। पुलिस के द्वारा घटनाक्रम के अंतर्गत दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है और उनके तीन साथियों की तलाश जारी रखने की बात कही है। इलाके में हालात नियंत्रित रहे इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।

प्रचार वाहन ने युवक को ठोका, गंभीर

कोरबा। पाली तानाखार क्षेत्र के जनता कांग्रेस प्रत्याशी के प्रचार मे लिए निकले एक बोलेरो वाहन ने बाइक सवार युवक को ठोकर मार दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम तनेरा निवासी उमेश उरांव अपने बाइक क्रमांक सीजी-15डीएफ-2483 पर सवार होकर लक्ष्मीपुर प्रेमनगर जाने के लिए निकला था। अभी वह ग्राम दमहामुड़ा के पास पहुंचा था कि बोलेरो क्रमांक सीजी-12डीजे-8415 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसे ठोकर मारकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल युवक को राहगीरों ने 112 वाहन बुलाकर अस्पताल पहुंचाया।

पार्षद को सड़क पर बैठने के लिए मजबूर कर रहा प्रबंधन

गंदा पानी बहाए जाने से हो रही परेशान

कोरबा। मुड़ापार से एसईसीएल सीजीएम कार्यालय को जाने वाले मार्ग पर सीवरेज लाइन का पानी सड़क से होकर बह रहा है और लोगों को मजबूरीवश इस पर से होकर आवाजाही करनी पड़ रही है। भाजपा से कांग्रेस में आए पार्षद के द्वारा कई मौकों पर अधिकारियों को जानकारी दी गई लेकिन हुआ कुछ नहीं। पार्षद को ऐसा लगता है कि प्रबंधन उन्हें इस हिस्से पर बैठाने के लिए विवश कर रहा है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारी जनता के द्वारा निर्वाचित नगरी निकाय क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को बहुत ज्यादा महत्व नहीं दे रहे हैं। इसका पता इस बात से चलता है कि सीजीएम कार्यालय को जाने वाले मुख्य मार्ग पर सीवरेज लाइन का पानी सड़क पर बह रहा है। सूर्य उपासना के सबसे बड़े पर्व छठ पूजा के नजदीक होने के बाद भी इस समस्या का समाधान करने में प्रबंधन के द्वारा कोई दिलचस्पी नहीं दी गई है जिससे पार्षद नाराज हैं। सड़के आवागमन के लिए ही होती हैं, इसमें कोई संदेह नही। लेकिन कोरबा में एक इलाका ऐसा भी है जहां सड़क पर से होकर लगातार पानी की निकासी हो रही है। यह पानी ना तो बरसात का है और ना ही किसी स्थान से होने वाले ओवरफ्लो का। बल्कि इसका सीधा संबंध सीवरेज लाइन से जुड़ा हुआ है जो नाली के क्षतिग्रस्त होने के कारण अब सड़क पर बैठे हुए लोगों के लिए सर दर्द बन रहा है। पिछले 3 महीने से इस तरह की समस्या स्श्वष्टरु सीजीएम कार्यालय को जाने वाले मार्ग पर कालीबाड़ी के पास बनी हुई है। सबसे बड़ी परेशानी इस बात की है कि इसी सप्ताह छठ पर्व मनाया जाना है और हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को इस रास्ते से होकर एसईसीएल शिव मंदिर और अन्य क्षेत्र में स्थित घाट पहुंचना है। नेहरू नगर वार्ड के पार्षद शैलेंद्र सिंह ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि त्योहार के नजदीक होने की जानकारी होने पर सीवरेज लाइन के पानी को सड़क पर बहाने के मामले में प्रबंधन के अधिकारी उदासीन बने हुए हैं। कई बार अवगत कराने के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गई। वार्ड संख्या 25 से निर्वाचित शैलेंद्र सिंह ने बेबसी के साथ बताया कि अगर विधानसभा चुनाव की आचार संहिता नहीं होती तो वह निश्चित रूप से इस समस्या को लेकर सड़क पर पालथी लगाकर बैठते।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com